संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -143 रविवार, 24 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे

» आज तक सुनवाई की मांग...
» आतिशी का आरोप...हमारा दफ्तर सील किया गया...

नई दिल्ली,23 मार्च 2024 (ए)। दिल्ली शराब नीति केस में पीएमएलए कोर्ट ने 22 मार्च को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 6 दिन की (28 मार्च तक) ईडी की रिमांड पर भेज दिया। केजरीवाल को 21 मार्च को सीएम हाउस से गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार दोपहर 2 बजे उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

ज्ञात हो कि शनिवार शाम को केजरीवाल के वकील ने ईडी की गिरफ्तारी और निचली अदालत के रिमांड के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वकीलों ने कहा कि दोनों फैसले अवैध हैं। केजरीवाल रिहाई के हकदार हैं। हमने कोर्ट से 24 मार्च तक सुनवाई की मांग की है। वहीं शनिवार दोपहर केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने वीडियो मैसेज में केजरीवाल का संदेश पढ़कर सुनाया। 3 मिनट 21 सेकेंड के इस संदेश में कहा गया कि अब तक मैंने बहुत संघर्ष किया है,आगे भी मेरी जिंदगी में बड़े संघर्ष लिखे हैं। आप कार्यकर्ताओं से अपील है कि मेरी गिरफ्तारी की वजह से भाजपा वालों से नफरत न करें। पूरा संदेश आप नीचे ब्लॉग में पढ़ सकते हैं...

आपमंत्री आतिशी ने दावा किया है कि उनके पार्टी कार्यालय को चारों तरफ से सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान किसी राष्ट्रीय पार्टी के ऑफिस में लोगों की एंट्री कैसे रोकी जा सकती है? हम इलेक्शन कमीशन में इसकी शिकायत करेंगे। इधर तिहाड़ में बंद ठग सुकेश ने केजरीवाल के नाम चिट्ठी लिखी है। उसने लिखा-डियर ब्रदर अरविंद केजरीवाल, वेलकम टु तिहाड़ क्लब। मैं बहुत खुश हूं कि मेरे तीनों भाई अब यहां है, तिहाड़ क्लब चलाने के लिए चेयरमैन बिग बॉस-अरविंद केजरीवाल। सीईओ-मनीष सिसोदिया और सीओओ-सत्येंद्र जैन।

केजरीवाल के वकील हाईकोर्ट पहुंचे

केजरीवाल के वकीलों ने ईडी की गिरफ्तारी और निचली अदालत के रिमांड के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वकीलों ने कहा कि दोनों फैसले अवैध हैं। केजरीवाल रिहाई के हकदार हैं। हमने कोर्ट से 24 मार्च तक सुनवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा,कोर्ट तय करेगा कि अरविंद केजरीवाल ने कोई पैसा लिया है या नहीं, इस पर मैं कुछ नहीं कह सकता, लेकिन जब कोई व्यक्ति, खासकर किसी सीएम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगता है और वह कहता है कि वह जेल से सरकार चलाएगा, इस्तीफा नहीं देगा। यह एक बहुत ही गलत है...एक व्यक्ति जिसने 2011-14 तक ईमानदारी का पाठ पढ़ाया और दावा किया कि वह ईमानदार है। यदि वह ईमानदार है, तो उसे इस्तीफा दे देना चाहिए। जेल से सरकार चलाना कानूनी और व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। नैतिकता के आधार पर, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

दिल्ली की डिप्टी सीएम आतिशी ने शनिवार को बताया कि हमने चुनाव आयोग से मिलने के वक्त मांगा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक होने के बाद भी दिल्ली में आप का कार्यालय सील कर दिया गया है। आतिशी ने कहा कि ये कदम संविधान के खिलाफ है। एक विधायक के घर पर रेड मारी गई है। उन्होंने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि आचार संहिता लगने के बाद भी एजेंसियों के एक्शन को रोकने के लिए फौरन कदम उठाया जाना चाहिए।

आप बोली- पुलिस आप नेताओं को जगह-जगह रोक रही

आम आदमी पार्टी ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें पुलिस आप मंत्री आतिशी को रोकती नजर आ रही है। इस वीडियो के साथ क्क ने लिखा- कायर मोदी इतना डर गया है कि वो अब आप को चुनाव नहीं लड़ने देना चाहता। आप मंत्री आतिशी को भी पुलिस जगह-जगह रोक रही है। मोदी जी एक काम करो, सब आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को गोली मार दो, आपका काम आसान हो जाएगा। वरना अगर आप नेता और कार्यकर्ता जिंदा रहे तो तुम्हें सुकून से तानाशाही नहीं करने देंगे।

आप मंत्री आतिशी ने दावा किया है कि उनके पार्टी कार्यालय को चारों तरफ से सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान किसी राष्ट्रीय पार्टी के ऑफिस में लोगों की एंट्री कैसे रोकी जा सकती है? हम इलेक्शन कमीशन में इसकी शिकायत करेंगे।

भगवंत मान बोले...जहां भाजपा की सरकार नहीं बनी,वहां वे सरकार नहीं चलने दे रहे...

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कल से पूरे देश में गुस्सा भरा हुआ है। भाजपा देश में तानाशाही लाना चाहती है। दिल्ली में उनकी सरकार नहीं बनी तो सरकार चलने ही नहीं देंगे, ख्न की चलेगी। पंजाब में सरकार नहीं बनी तो गवर्नर तंग करेगा। बंगाल और केरल में सरकार नहीं बनी तो गवर्नर रूल करेगा। झारखंड में सरकार नहीं बनी तो मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अगर तमिलनाडु में सरकार नहीं बनी तो गवर्नर मुख्यमंत्री का भाषण ही नहीं पढ़ेगा। बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान खतरे में है। मेरी 140 करोड़ लोगों से अपील है कि इसके खिलाफ इकट्ठे हो जाइए वर्ना ये देश बर्बाद हो जाएगा।

संक्षिप्त खबर

महुआ मोइत्रा के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

कोलकाता,23 मार्च 2024 (ए)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछे जाने के मामले में पूर्व टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई ने अब महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सीबीआई की टीम कोलकाता स्थित उनके आवासीय परिसरों में छापेमारी शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम केंद्रीय एजेंसी द्वारा महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है।

बीजेपी से एक और प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने से किया इनकार

वडोदरा,23 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से पार्टियां अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रही है। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की चार सूचियां जारी कर दी है। इस बीच पार्टी को गुजरात से बड़ा झटका लगा है। वडोदरा लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रंजनबेन भट्ट ने ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है।

हिमाचल में कांग्रेस के 6 विधायकों ने थामा बीजेपी का हाथ

शिमला,23 मार्च 2024 (ए)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के छह आयोग्य विधायकों ने भाजपा का हाथ थाम लिया है। सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, इंदर दत्त लखनपाल,देवेंद्र भुट्टो और चैतन्य शर्मा हिमाचल प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष राजीव बिंदल और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए।

शराब नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने किया एक बड़ा खुलासा

292 करोड़ की अपराध घोटाला में शामिल हैं कविता

शराब घोटाला नीति मामले में कविता की 26 मार्च तक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली,23 मार्च 2024 (ए)। बीआरएस नेता के. कविता को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली की एक अदालत ने कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को उनकी ईडी हिरासत 26 मार्च तक बढ़ा दी। कविता को राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के सामने पेश किया गया। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुनाया।

जांच एजेंसी ने कविता की पांच दिन की रिमांड मांगी, जबकि कविता के वकील एडवोकेट नितेश राणा ने दलील दी कि जमानत याचिका दायर की गई है। अदालत ने पहले कविता को 16 मार्च को सात दिन की ईडी रिमांड पर भेजा था। हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई। जिसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया। एजेंसी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके आवास पर तलाशी के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें उसी दिन दिल्ली लाया गया।

ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने दलील दी कि कविता ने अन्य लोगों के साथ साजिश रची है और 100 करोड़ रुपये की रिश्वत के भुगतान में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वकील ने दावा किया कि वह अपने प्रॉक्सी के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग इकोसिस्टम,मेसर्स इंडो स्पिरिट्स की स्थापना में शामिल हैं, जिससे 192.8 करोड़ रुपये की अपराध आय उत्पन्न हुई। ईडी ने आरोप लगाया, इस तरह कविता कम से कम 292.8 करोड़ रुपये की अपराध आय (पीओसी) से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं और गतिविधियों में शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने संगरूर के पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी से तुरंत मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़,23 मार्च 2024 (ए)। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी के द्वारा भारतीय निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी से संगरूर के ज़हरीली शराब दुखांत मामले की तुरंत रिपोर्ट माँगी है।

आयोग की जानकारी अनुसार इस मामले में 20 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है और 20 लोग संगरूर और पटियाला जिले के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज अधीन हैं।

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी ने पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी पंजाब को एक पत्र लिख कर इस समूचे घटनाक्रम के बारे तुरंत प्राथमिक रिपोर्ट और विस्तृत रिपोर्ट आज ही देने के लिए कहा है जिससे इस संबंधी भारतीय निर्वाचन आयोग को अवगत करवाया जा सके।

दुश्मनों के छक्के छुड़ाएगी आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली

नई दिल्ली,23 मार्च 2024 (ए)। भारतीय सेना की पश्चिमी कमांड ने शनिवार को बताया कि वज्र वायु रक्षा योद्धाओं ने स्वदेशी आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक अभ्यास किया। आकाश मिसाइल वायु को भारत में ही बनाया गया है। यह खतरनाक मिसाइल दुश्मनों के छक्के छुड़ाने में सक्षम है। भारतीय सेना की पश्चिमी कमांड ने एक बयान में बताया कि आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली मानव रहित हवाई वाहनों और गतिरोध हथियारों के खिलाफ अपनी सटीक मारक क्षमता का प्रदर्शन करने में सक्षम है।

जयराम रमेश ने बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली,23 मार्च 2024 (ए)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷पिछले कुछ दिनों में इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी भरपूर तरीके से आई है। सबको यह जानकारी मिली कि कितना इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा गया है, कितना बेचा गया है और वो किस-किस पार्टी को दिया गया। बीजेपी सरकार ने निजी कंपनियों का सिर्फ इस्तेमाल किया है। हमारा निशाना कोई प्राइवेट कंपनी है, हमारा निशाना बीजेपी सरकार है और प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने इस इलेक्टोरल बॉन्ड को सोचा और इसे अंतिम रूप दिया।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, बीजेपी ने चार तरीके से घोटाला किया। पहला रास्ता है चंदा दो धंधा लो, यह प्रीपेड घूस है। दूसरा रास्ता है ठेका लो घूस दो, ये पोस्टपेड घूस है। तीसरा रास्ता है हफ्ता वसूली और ये पोस्ट रेड है। इसका मतलब है कि पहले ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स को कंपनी के खिलाफ छोड़ो और

उससे बचने के लिए ये कंपनियां इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदेंगी और बीजेपी को चंदा देगी।

'फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल किया गया'

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, चौथा रास्ता फर्जी कंपनियों, सेल कंपनियों का अपनाया गया। साल 2014 में प्रधानमंत्री बार-बार लंबे-चौड़े भाषण करते थे कि मैं फर्जी कंपनियों को बंद कर दूंगा, लेकिन इस इलेक्टोरल बॉन्ड घोटाले में फर्जी कंपनियों का भरपूर इस्तेमाल किया गया है। बड़े तौर पर 38 कॉरपरेट ग्रुप हैं, जिन्हें पिछले 6 महीने में मोदी सरकार से 179 कॉन्ट्रैक्ट मिले हैं। इन्हीं में से 38 ग्रुप ने 2000 करोड़ रुपये का बॉन्ड को खरीदा है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, हमारे युवा साथियों ने सिर्फ 5 लाइन का एक कम्प्यूटर कोड लिखा है, जिससे सिर्फ 15 सेकंड में सुप्रीम कोर्ट की ओर से मांगी गई इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी जानकारी हमारे सामने आ गई। इसी जानकारी को देने के लिए बीजेपी ने 30 जून तक का समय मांगा था, इससे साफ है कि मोदी सरकार ये जानकारी बाहर नहीं लाना चाहती थी।

रंजन भट्ट के बाद अब इस प्रत्याशी ने लिया नाम वापस

अहमदाबाद,23 मार्च 2024 (ए)। बीजेपी को लोकसभा चुनावों से पहले गुजरात में दोहरा झटका लगा है। एक दिन के अंदर ही दो प्रत्याशियों ने चुनाव ना लड़ने का फैसला किया है। सुबह गुजरात की वड़ोदरा सीट से मौजूदा सांसद और बीजेपी प्रत्याशी रंजन भट्ट ने चुनाव ना लड़ने का फैसला किया था। अब गुजरात की साबरकांठा सीट से बीजेपी प्रत्याशी ने भी चुनाव ना लड़ने का फैसला किया है। दोनों प्रत्याशियों ने चुनाव ना लड़ने की वजह भी बताई है। मैं, भीकाजी ठाकोर निजी कारणों से साबरकांठा से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने का इच्छुक नहीं हूं।

मोस्ट वांटेड गैंगस्टर प्रसाद पुजारी आखिरकार गिरफ्त में

20 साल से चल रहा था फरार

मुंबई,23 मार्च 2024 (ए)। मुंबई की क्राइम ब्रांच को आज एक बड़ी सफलता मिली है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को चीन से मुंबई डिपोर्ट कर लिया गया है। प्रसाद 20 साल से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस तक जारी किया हुआ था। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को चीन से मुंबई लाए हैं। 2020 में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गैंगस्टर प्रसाद पुजारी की मां इंदिरा विट्ठल पुजारी को जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार किया था। गैंगस्टर पुजारी पर मुंबई में हत्या और लोगों को धमकाने के कई आरोप दर्ज हैं। प्रसाद पुजारी मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच से बचकर चीन भाग गया था। इसके बाद इंटरपोल ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था।पुलिस के मुताबिक, 62 वर्ष की इंदिरा और दो अन्य पर मुंबई के एक बिल्डर से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने का आरोप लगा था। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान सुनील अंगने (56) और सुकेश कुमार (28) के रूप में हुई।

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट के आरोपियों की तस्वीरें आईं सामने

नाम और ठिकाने का भी हुआ खुलासा

बेंगलुरु,23 मार्च 2024(ए)। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट में शामिल आरोपियों की असली तस्वीरें सामने आ गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में दो आरोपियों की पहचान हो गई है। दोनों ही आरोपी शिवमोग्गा के आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े हैं और इससे पहले भी एक मामले में शामिल रहे हैं। मुख्य आरोपी मुख्य आरोपी मुसाविर हुसैन शाजिब कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में स्थित तीर्थहल्ली का निवासी है। दूसरा आरोपी अब्दुल माथेरन ताहा भी तीर्थहल्ली का ही रहने वाला है। एनआईए सूत्रों ने विस्फोट से पहले उनके मूवमेंट की जांच की और पाया कि दोनों चेन्नई के ट्रिप्लीकेन में एक लॉज में रुके थे और विस्फोट के बाद फिर से चेन्नई लौट आए।

आरोपी का आखिरी ठिकाना आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में पाया गया है, जिसकी सीमा तमिलनाडु से लगती है।

सोमालिया तट से 35 लुटेरों को पकड़कर मुंबई पहुंचा आईएनएस

मुंबई,23 मार्च 2024 (ए)।अरब सागर और अदन की खाड़ी में भारतीय नौसेना ने बड़ा ऑपरेशन चलाया है। नौसेना ने समुद्री डकैती रोधी अभियान के तहत सोमालिया के तट से 35 समुद्री लुटेरों को पकड़ा है। पकड़े गए लुटेरों को लेकर युद्धपोत आईएनएस कोलकाता आज सुबह मुंबई पहुंचा। इसके बाद इन समुद्री लुटेरों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया।

यह अभ्यास चल रहे ऑपरेशन संकल्प के हिस्से के रूप में किया गया था, जिसमें भारतीय नौसेना के जहाजों को क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और व्यापार सुरक्षा के लिए अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है।नौसेना ने कहा कि आईएनएस कोलकाता पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर 23 मार्च को मुंबई लौटा और भारतीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री समुद्री डकैती रोधी अधिनियम 2022 के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए समुद्री लुटेरों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

नौसेना ने सीमा शुल्क और अप्रवासन की औपचारिकताओं के बाद 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया। 16 मार्च को एक एंटी पाइरेट्स ऑपरेशन के बाद भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता ने समुद्री लुटेरों को पकड़ा था।

संपादकीय

भाजपा का दक्षिण अभियान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए 370 और एनडीए गठबंधन के लिए 400 सीटें प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया है।इसके लिए उसे दक्षिण भारत का दुर्ग जीतना बेहद आवश्यक है। दक्षिण के केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक को मिला कर लोक सभा की 130 सीटें हैं। अगर भाजपा को 400 पार के संकल्प को पूरा करना है तो उसे 130 सीटों में से खासी हिस्सेदारी प्राप्त करनी होगी। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भाजपा ने तमिलनाडु में डॉ. एस. रामदॉस के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के साथ सीटों का समझौता किया है।पीएमके का प्रदेश के वलियार समुदाय में अच्छा प्रभाव है। प्रधानमंत्री मोदी इस तथ्य से परिचित हैं कि एआईएडीएमके की नेता रहीं जयललिता के निधन के बाद डीएमके का प्रदेश में राजनीतिक प्रभुत्व और भी बढ़ गया है। 2019 के आम चुनाव में डीएमके की अगुवाई वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को राज्य की 39 में से 38 सीटों पर विजय हासिल हई थी। भाजपा ने पांच उम्मीदवार खड़े किए थे और सभी हार गए थे।तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा का खाता नहीं खुला था। दक्षिणी भारत की 130 सीटों में से भाजपा को केवल 29 सीटें मिली थीं। कर्नाटक की 28 में से 25 और तेलंगाना से 4 सांसद जीत कर आए थे। इस समय दक्षिण के किसी भी राज्य में भाजपा सत्ता में नहीं है।पिछले वर्ष वह कर्नाटक विधानसभा चुनाव कांग्रेस से हार गई। यहां की 25 सीटों को बरकरार रखा पार्टी के लिए एक चुनौती है। भाजपा का दक्षिण भारत को छोड़ कर देश के अन्य हिस्सों में अच्छा खासा राजनीतिक प्रभाव है। लेकिन दक्षिण भारत में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व है। भाजपा को वास्तविक अथरे में अखिल भारतीय राजनीतिक दल का तमगा तभी लगेगा जब दक्षिण भारत के राज्यों में भी इसका विस्तार हो। प्रधानमंत्री मोदी दूरदर्शी नेता हैं।इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत के रामायण से जुड़े सभी मंदिरों और तीर्थस्थलों का दौरा करके अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की थी। तब राजनीतिक हलकों में उनकी इस यात्रा को 2024 के लोक सभा चुनाव से जोड़ कर देखा गया था।प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण के मिशन' को लेकर कितना गंभीर और सक्रिय हैं, इस बात को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि उन्होंने बीते 97 दिनों में 23 दिन दक्षिणी राज्यों में बिताए हैं।

रंगो का यह पर्व होली मनाए

दुश्मनों के भी हम गले मिले,
ईर्ष्या जलन सब दूर भगाए।
मिलकर एक दूसरे में रंग डाले,
रंगो का यह पर्व होली मनाए।।
लड़ाई झगड़ा से दूर रहें,
मन मे एक भाव जगाए।
नशा है खराब इसे न कहे,
रंगो का यह पर्व होली मनाए।।
सब लोग नगाड़ा के धुन में,
फाग के साथ नाचे और गाए।
घर घर और गली गली में,
रंगो का यह पर्व होली मनाए।।
हरा,लाल,पीला रंग लेकर,
मित्रो के साथ सबके घर जाए।
गिले शिकवे सब भूलकर,
रंगो का यह पर्व होली मनाए।।
रंगों से आज सभी है सराबोर,
कोई न छूटे सब को रंग लगाए।
आज रंग गुलाल उड़े चारों ओर,
रंगो का यह पर्व होली मनाए।।

श्याम सुंदर साहू
राजिम जिला
गरियाबंद छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होली का रंग

होली के खूबसूरत रंग लाल, पीला और गुलाबी
दिल में जगाए उमंग बच्चे, बूढ़े और जवान
नाचे, गाएं, झूमे खूब करें हुड़दंग
ऊंच-नीच और जात-पात जैसे मिट जाते सारे कुरंग
होती हंसी-ठिठोली गले मिलतेअंग-से-अंग
छक के खाते लोग गुजिया, पूआ, भंग
दिल कहे झूम-झूम के होली का ये रंग
न हो कभी ख़तम प्रेम,सद्भाव और भाईचारा
हो देश का रंग।

मृत्युंजय कुमार मनोज
ग्रेटर नोएडा
(पश्चिम),
उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होली के ये रंग

होली के इन रंगों में, छुपा है प्रीत का रंग,
सतरंगी अमृत आनंद बरस रहा धरा पर,भरे जीवन अंतरंग।
झूम रही है अमवा की डाली, नेह बरसाए संग,
कोयल कुक रही है काली, अली फागुन आया बहुरंग ।
टेसू के फूल खिले हैं बागों में,बिखेरे मधुर सुगंध,
रोम रोम केसर घुली, चंदन महके अंग ।
धरती हरषाई,पवन लहराई, हृदय छाई उमंग,
देखो होली मनभावन आई, छेड़े हैं नई तरंग ।
अली चलो एक दूसरे को रंग लगाएं, पीएं थोड़ी भंग,
नाच गाकर हर दुश्मनी को भुलाएं, हो जाए सब मस्त मलंग
गमों को भूलकर खेले, सब प्यार के रंग,
आज थोड़ी सी कर ले बच्चे बन, हम भी हुड़दंग ।
राधिका कृष्ण को रंग लगाएं है, हम भी गोपी बन खेले संग,
होली के रसिया को मनाए, मिलकर जो है आनंद कंद
होली आती भेदभाव मिटाती, खिलता हृदय कमल रंगमंच
आनंद हो जाता जागृत फिर, प्राण हो जाते रोम-रोम में जीवंत।

मोनिका डागा आनंद,
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सीएए:पीड़ितों को मिलेगी देश की नागरिकता

आखिरकार, लंबी चली जद्दोजेहद के बाद नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के नियम अधिसूचित कर दिए हैं। लोक सभा चुनाव के ठीक पहले इस कानून को अमल में लाना भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है।कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इस कानून का इसलिए दुष्प्रचार करते रहे हैं कि इससे मुसलमानों की नागरिकता संकट में पड़ जाएगी जबकि इसमें देश के किसी भी धर्म से जुड़े नागरिक की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। हां, घुसपैठियों को जरूर नागरिकता सिद्ध नहीं होने पर बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है।संसद और उसके बाहर ऐसे अनेक बौद्धिक आलोचक थे, जो प्रमाणित करने में लगे थे कि यह कानून आइडिया ऑफ इंडिया' अर्थात संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है लेकिन यह संदेह जम्मू-कश्मीर से हटाई गई धारा-370 और 35-ए की तरह ही संवैधानिक है। इस कानून का मुख्य लक्ष्य धार्मिक आधार पर प्रताड़ितों, हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई, जिन्हें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से पलायन को मजबूर होना पड़ा है, को भारत में नागरिकता प्रदान करना है।पहले भी इन तीनों देशों के मुसलमानों को भारतीय नागरिकता दी जा चुकी है। जाहिर है कि यह कानून किसी धर्म या संप्रदाय के आधार पर भेदभाव से नहीं जुड़ा है। साफ है, यह कानून किसी की नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है। यह विधेयक मूल रूप में 1955 के नागरिकता विधेयक में ही कुछ परिवर्तन करके अस्तित्व में लाया गया है। 1955 में यह कानून देश में दुःखद विभाजन के कारण बनाया गया था। इस समय बड़ी संख्या में अलग-अलग धर्मों के लोग पाकिस्तान से भारत आए थे। इनमें हिन्दू, सिख. जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई थे।आजादी के बाद भारत ने धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश बनने का निर्णय लिया लेकिन पाकिस्तान ने खुद को इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर दिया। पाक के संस्थापक एवं बंटवारे के दोषी मोहम्मद अली जिन्ना के प्रजातांत्रिक सिद्धांत तत्काल नेस्तनाबूद कर दिए गए। 1948 में जिन्ना की मौत के बाद पाकिस्तान पूरी तरह कट्टर मुस्लिम राष्ट्र में बदलता चला गया। नतीजतन, जो भी गैर-मुस्लिम समुदाय थे, उन्हें प्रताड़ित करने के साथ उनकी स्त्रियों के साथ दुराचार और धर्म परिवर्तन का सिलसिला तेज हो गया। ऐसे में ये पलायन कर भारत आने लगे। दरअसल, इन गैर-मुस्लिमों का भारत के अलावा कोई दूसरा ठिकाना इसलिए भी नहीं था कि पड़ोसी अफगानिस्तान भी कट्टर इस्लामिक देश बन गया था। 1955 तक करीब 45 लाख हिन्दू और सिख भागकर भारत आ गए थे। इनके दृष्टिगत नागरिकता निर्धारण विधेयक, 1955 बनाया गया था।1971 में जब पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश बना तो इस दौरान हिन्दू समेत अन्य गैर-मुस्लिमों पर विकट अत्याचार हुए। फलतः इनके पलायन और धर्मस्थलों को तोडने़ का सिलसिला और तेज हो गया। बड़ी संख्या में हिन्दुओं के साथ बांग्लादेशी एवं पाकिस्तानी मुस्लिम भी बेहतर भविष्य के लिए भारत चले आए जबकि वे धर्म के आधार पर प्रताड़ित नहीं थे। ये घुसपैठिए बनाम शरणार्थी पूर्वोत्तर के सातों राज्यों समेत प. बंगाल में भी घुसे चले आए। इनकी संख्या तीन करोड़ तक बताई जाती है। शरणार्थियों की तो सूची है, लेकिन घुसपैठिए अनुमान के आधार पर ही हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों की सूची मात्र 1 लाख 16 हजार लोगों की है, बाकी घुसपैठिए हैं। इन घुसपैठियों और शरणार्थियों की सही पहचान करने की दृष्टि से ही नागरिकता संशोधन विधेयक लाया गया है।छब्बीस सितम्बर, 1947 को एक प्रार्थना सभा में महात्मा गांधी ने कहा था, पाकिस्तान में जो हिन्दू एवं सिख प्रताड़ित किए जा रहे हैं, उनकी मदद हम करेंगे।' 1985 में केंद्र में जब राजीव गांधी की सरकार थी, तब असम में घुसपैठियों के विरुद्ध जबरदस्त प्रदर्शन हुए थे। नतीजतन, राजीव गांधी और आंदोलनकारियों के बीच समझौता हुआ जिसमें घुसपैठियों को क्रमबद्ध खदेडने़ की शर्त रखी गई। लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ।डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए सदन में कहा था कि यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं और वे पलायन को मजबूर हुए हैं, तो उन्हें भारतीय नागरिकता दी जानी चाहिए। किंतु मनमोहन सिंह ने दस साल प्रधानमंत्री बने रहने के बावजूद इस दिशा में कोई पहल नहीं की जबकि असम में इस दौरान कांग्रेस की सरकार थी। यदि नेहरू और लियाकत अली के बीच समझौते का पालन पाक ने किया होता तो इस विधेयक की न तो 1955 में बनाने की जरूरत पड़ती और न ही अब संशोधन की। बहरहाल, यह कानून मानवीयता के सरोकारों से जुड़ा अहम कानून है, जिसे दुनिया को मिसाल के रूप में देखना चाहिए।

-प्रमोद भार्गव-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अर्थव्यवस्था : नए व्यापार समझौते का महत्त्व

हाल ही में 10 मार्च को भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।इसे व्यापार और आर्थिक समझौता (टीईपीए) कहा गया है। गौरतलब है कि मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। इन संधियों के अंतर्गत 10 से 30 विषय शामिल होते हैं।दुनिया में 350 से अधिक एफटीए वर्तमान में लागू हैं और भारत के द्वारा ईएफटीए देशों के साथ जो एफटीए किया है, वह दुनिया में अहम माना जा रहा है। 2022-2023 के दौरान ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 1.92 अरब डॉलर रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान इन देशों से भारत का कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था। यानी व्यापार घाटा 14.82 अरब डॉलर हुआ था। नए एफटीए के तहत ईएफटीए ने अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह भारत का ऐसे समूह के साथ पहला व्यापार करार है, जिसमें विकसित देश शामिल हैं। ईएफटीए के सदस्य देशों में आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन शामिल हैं। इस समझौते में 14 अध्याय हैं।इनमें वस्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निर्मित होगी। इस समझौते में व्यापार से ज्यादा निवेश पर जोर दिया गया है और भारत में इस समय निवेश के बेहतरीन मौके हैं। गौरतलब है कि इन चार यूरोपीय देशों से होने वाले भारत के कुल व्यापार में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है तथा बाकी की हिस्सेदारी में अन्य तीनों देश शामिल है। इस समझौते से डिजिटल व्यापार,बैंकिंग, वित्तीय सेवा, फार्मा, टेक्सटाइल जैसे सेक्टर में इन चार देशों के बाजार में भारत की पहुंच आसान होगी। इसके बदले में भारत भी इन देशों की विभिन्न वस्तुओं के लिए अपने आयात शुल्क को कम करेगा।यद्यपि कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है साथ ही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में ईएफटीए देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप के बड़े बाजार में पहुंच आसान हो जाएगी। इस समझौते में स्विट्जरलैंड के शामिल होने से भारत

में लोकप्रिय स्विटजरलैंड के चॉकलेट्स, घड़ी व बिस्कुट भारतीय बाजार में पहले की तुलना में कम कीमत पर मिलेंगे।समझौते के मुताबिक इन दोनों ही वस्तुओं पर लगने वाले वर्तमान के आयात शुल्क को अगले सात साल में चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। इसलिए हर साल शुल्क में थोड़ी-थोड़ी कटौती होती रहेगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस समझौते से भारत के साथ ईएफटीए देशों को वृद्धि के लिए भारत के बड़े बाजार तक पहुंच मिली है। भारतीय कंपनियां भी अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाते हुए उनमें विविधता लाने का प्रयास करेंगी। दूसरी तरफ भारत को ईएफटीए से अधिक विदेशी निवेश मिलेगा। इससे अंततः अच्छी नौकरियों में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर भारत को अपनी आर्थिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने और रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।'उल्लेखनीय है कि भारत और ईएफटीए देश व्यापार और निवेश समझौते पर 15 साल से भी लंबे समय से बातचीत कर रहे थे। करीब 13 दौर की वार्ता के बाद 2013 के अंत में इस पर बातचीत रु क गई थी। इसके बाद 2016 में फिर से वार्ता शुरू हुई और चार दौर की बातचीत के बाद अब यह समझौता धरातल पर आया है। वस्तुतः भारत-ईएफटीए, व्यापार समझौता एक मुक्त, निष्पक्ष और समानता वाले व्यापार के प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके जरिए भारत और ईएफटीए देश आर्थिक रूप से एक दूसरे के पूरक बन जाएंगे। ज्ञातव्य है कि ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं है।यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तेज करने के लिए एक अंतर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन देशों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत वैश्विक नेतृत्वकर्ता देश के रूप में उभरकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने के लिए उत्सुक है। दुनिया यह देख रही है कि भारत सबसे तेज अर्थव्यवस्था के साथ आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को आर्थिक पंख लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां यह भी महत्त्वपूर्ण है कि अब नए मुक्त व्यापार समझौते भारत को निम्न मध्यम से उच्च मध्यम आय वाला देश बनाने में बड़े मददगार होंगे। निःसंदेह वर्तमान वैश्विक मंदी और इस्राइल-फिलिस्तीन युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर भारत के लिए निर्यात बढ़ाने के लिए ईएफटीए के बाद अब अन्य विभिन्न देशों के साथ एफटीए वार्ताओं की गति बढ़ाए जाए।हम उम्मीद करें कि ईएफटीए के बाद अब भारत के द्वारा ओमान, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। हम उम्मीद करें कि देश मुक्त व्यापार समझौतों की ताकत के साथ आगे बढ़ेगा साथ ही देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई विकसित भारत-2047 की विस्तृत कार्य योजना के एजेंडे पर 8 से 9 फीसदी विकास दर के साथ विकसित भारत की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होली गीत

सखी
राधा झन जाना ओ,
खड़े हावय गिरधारी।
तोला रंग दिही ओ,
धरे हवय पिचकारी।।
राधा
मैं जाहूं सखी चाहे,
खड़े रहय गिरधारी।
मोला काहे के डर,
धरे रहय पिचकारी।।
सखी
ग्वाल बाल संग,आवय कन्हैया।
भर भर पिचका,मारय कन्हैया।।
रंग दिही चुनरी लाली ओ.....2
राधा झन जाना ओ.....।।।
राधा
मया पीरित के, होली तिहार हे।
रंग बिरंग के, उड़त गुलाल हे।।
रंग जाहूं संग गिरधारी ओ...2
मैं जाहूं सखी....।।।
सखी
गोपियन मन, होली खेले बर आगे।
किशन कन्हैया सबके,मन ला भागे।।
ओदे रास रचाए बनवारी....2
राधा झन जाना ओ.....।।।
राधा
जनम जनम के नाता जबर हे।
राधा किशन के नाम अमर हे।।
मैं आधा हँव बिन गिरधारी...2
मैं जाहूं सखी.....।।।

राजकुमार निषाद राज
बिरोदा,
धमधा दुर्ग
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होली के साथ होलाष्टक भी इस बार

हमारा भारतवर्ष एक बहुत विशाल देश है। यहां पर विभिन्न धर्मो के लोग रहते हैं इसलिए त्योहार भी अलग-अलग तरीके से मनाए जाते हैं। सब धर्म के लोग अपने-अपने त्योहारों को बहुत उत्साहपूर्वक मनाते हैं। हर महीने हमारे भारतवर्ष में कोई ना कोई त्यौहार किसी न किसी धर्म का चला ही रहता है। हिंदू धर्म में होली का त्यौहार भी एक विशेष महत्व रखता है। बुरा ना मानो होली है इसी डायलॉग के साथ लोग एक दूसरे को रंग लगाने से नहीं हिचकते हैं। सबको पता है की होली का त्यौहार है तो रंग तो लगेंगे ही, इसलिए सब लोग इस त्यौहार को बहुत ही आनंदपूर्वक मनाते हैं। होली के दिन छोटे से छोटे बच्चों से लेकर नौजवान और बूढ़ों तक में उत्साह देखा जा सकता है। जहां एक और छोटे-छोटे बच्चे पिचकरिया लेकर और गुब्बारे में पानी भरकर एक दूसरे के ऊपर रंग फेंकते हैं वहीं दूसरी ओर व्यस्त एक दूसरे के चेहरों को रंग और गुलाल से लाल पीला कर देते हैं। इस बार होली के त्यौहार के साथ-साथ होलाष्टक के 8 दिन भी आ रहे हैं। यह होलाष्टक 17 मार्च से 24 मार्च तक रहेगा। होलाष्टक को एक दुखद समृद्धि के रूप में याद किया जाता है इसके पीछे एक पौराणिक कहानी है कि जब हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को विष्णु की पूजा करने हेतु होली से 8 दिन पहले तक बहुत ही कष्ट पूर्व की यातनाएं दी थी। उन्हें आठ दिनों को होलाष्टक के रूप में मनाया जाता है। अक्सर ये माना गया है कि इन आठ दिनों में सारे शुभ कार्य वर्जित होते हैं,परंतु एक धारणा और भी साथ में है कि इन दिनों में अगर सच्चे मन से ईश्वर की आराधना की जाए तो यह दिन बहुत ही फल दायक सिद्ध होते हैं। क्योंकि इन आठ दिनों में प्रहलाद को हिरण्यकश्यप ने कठोर दंड दिए थे, इस कारण अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य ,दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु या बृहस्पति,त्रयोदशी को बुद्ध, चतुर्दशी को मंगल एवं पूर्णिमा वाले दिन राहु अपने उग्र से उग्रतम रूप में होते हैं। होलाष्टक के शुरू होने के साथ ही प्रथम दिन किसी चौराहे पर होलिका दहन के लिए दो बड़े-बड़े डंडे गढ़ दिए जाते हैं जिसको कि लोग होलिका और प्रहलाद का प्रतीक मानते हैं। क्योंकि प्रहलाद विष्णु भक्त था और वह विष्णु की बहुत अधिक भक्ति करता था इसी कारण हिरण्यकश्यप ने नाराज होकर उसको कठोरतम दंड दिए थे। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी वाले दिन सबसे पहले प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ की छोटी से नीचे फिंकवा दिया गया था लेकिन प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ था। लगातार आठ दिनों तक प्रहलाद को कठोर से कठोर दंड दिए गए। उसको गर्म तेल के बहुत बड़े कहे में डाल दिया गया तो कभी उसको हाथी के पैरों से कुचलवाया गया। जब हिरण्यकश्यप ने देखा कि प्रहलाद को इतनी यात्राएं देने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा है तो उसने थक हार कर नौवे दिन अपनी बहन होलिका की गोद में प्रहलाद को बिठाकर जिंदा जलाने की कोशिश की। क्योंकि होलिका को वरदान प्राप्त था कि उसे आग जला नहीं सकती है, परंतु वह अग्नि में जलकर खुद तो भस्म हो गई और प्रहलाद को कोई आंच नहीं आने दी। इन दिनों में ग्रहों के अपने उग्र रूप होने के कारण ही लोग शुभ कार्य नहीं करते हैं क्योंकि इसे अशुभ फल मिलने के आसार रहते हैं। होलाष्टक की और भी पौराणिक कहानियां और कथाएं प्रचलित हैं जिनमें से एक कथा यह भी है कि इन आठ दिनों में श्री कृष्ण ने अपनी गोपियों के संग होली खेली थी। एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को जब तीनों लोगों के स्वामी भगवान भोलेनाथ अपनी समाधि में बैठे हुए थे, तो उनकी समाधि को भंग करने के लिए कामदेव ने भगवान शिव पर पुष्प वनों का प्रहार किया था। ऐसा माना जाता है कि इसी के कारण भगवान शिव के मन में काम का संचार होने के कारण और प्रेम भावना जगाने के कारण समाधि भंग हो गई थी। यही कारण था कि भगवान शिव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर उसे समय कामदेव को भस्म कर दिया था। कामदेव के भस्म होते ही उनकी पत्नी रति को बहुत दुख हुआ और उसने प्रण लिया कि वह अपने पतिदेव को दोबारा जीवित करने के लिए इस भगवान शिव की आराधना एवं तपस्या करेगी। कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शिव की शरण में जाते हुए उनकी आराधना की और आठ दिनों के बाद भगवान शिव ने रति को वरदान दिया कि जाओ द्वापर युग में प्रद्युमन नमक पुत्र का जन्म श्री कृष्ण घर होगा जो की कामदेव का दूसरा रूप होगा। कुछ मान्यताओं के अनुसार इन आठ दिनों को रति के तपस्या एवं आराधना के रूप में भी जाना जाता है।

होली के त्यौहारको चंद्रमा की पूर्णिमा के आखिरी दिन मनाया जाता है। भारतवर्ष में यह त्यौहार 600 ईसा पूर्व से मनाया जाता आ रहा है। अगर बात रामगढ़ के अभिलेख की की जाए तो बिना क्षेत्र में स्थित रामगढ़ स्थान पर इशा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख मिलता है। हमारे देश में इसको भगवान श्री कृष्णा और राधा के बीच अटूट प्रेम के रूप में भी जाना जाता है। भारतवर्ष में सब राज्यों में अपने-अपने तरीके से होली का त्यौहार मनाया जाता है परंतु सब का उद्देश्य एक ही होता है कि आपस में सबका भाईचारा कायम रहे और प्यार प्रेम यूं ही बना रहे।

डॉक्टर जय महलवाल
(अनजान)
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रेम एवं सद्भावना का प्रतीक होलिकोत्सव पर्व

हमारे भारतीय हिन्दू संस्कृति में प्राचीन काल से ही अपनी रीति-रिवाज,आस्था-विश्वास,परम्पराएँ और पर्वों का विशेष स्थान रहा है।जिनका एक अपना अलग महत्व है।वैसे तो हमारे देश के अलग-अलग प्रांतों में पर्वों को मनाने की अलग-अलग परम्पराएँ और मान्यताएँ रही है।लेकिन जब हम इसके मूल में जाते हैं तो हमे पता चलता है कि उन सभी प्रांतों के जनमानस का उद्देश्य,आस्था,और विस्वास लगभग एक जैसा ही दिखाई देता है।

और यही एक जैसा दिखाई देना हमारे देश की एकता,समर्पण,समभाव और भाईचारे को प्रदर्शित करता है।

हम बात कर रहे हैं प्रेम एवम एकता का प्रतीक रंगोत्सव पर्व अर्थात होली पर्व का।

जो प्रत्येक प्रांतों में बहुत ही धूमधाम उत्साह,उमंग,और उल्लास के साथ मनाया जाता है।जिसकी मनमोहक छटा और सतरंगी आभा देखते ही बनती है।लोग रंगों के पर्व इस होली को बहुत धूम-धाम के साथ मनाते हैं।और होली के रंगों में सराबोर हो जाते हैं। होली पर्व का अपना धर्मिक और सांस्कृतिक महत्व-उत्तर पूर्व भारत मे जहाँ राक्षसी पूतना का दहन किया जाता और फिर रंग-गुलाल लगाकर रंगोत्सव का पर्व मनाते हैं।

इसी प्रकार दूसरी मान्यता यह है कि दक्षिण भारत मे इसी होली के दिन भगवान शंकर ने कामदेव को अपने तीसरे नेत्रों की ज्वाला से भस्म कर दिया और उसके राख को अपने देह में लपेटकर घनघोर तांडव किया था।इस घटना से रति बहुत विलाप करती है।तब शंकर भगवान उसे जीवित कर देते हैं।तब देवता गण रँ- गुलालों की बारिश कर रंगोत्सव मनाते हैं।

होलिका दहन बुराई के अंत का प्रतीक

होली बुराई का दहन और अच्छाई की स्थापना का पर्व है।इस सम्बंध में यह मान्यता है कि हिरण्यकश्यप अपने पुत्र प्रह्लाद को अपनी बहन होलिका के गोद मे बिठा देता है।इधर भगवान विष्णु के आशीर्वाद से परम भक्त प्रह्लाद का बाल-बांका भी नही होता।होलिका बुराई का प्रतीक जलकर राख हो जाती है,और प्रहलाद अच्छाई का प्रतीक सुरक्षित बाहर आ जाता है।ऐसा माना जाता है की होली के इस पर्व में पुरानी से पुरानी कटुता, दुश्मनी को भुलाकर लोग रंग-गुलाल लगाकर आपस मे गले मिल जाते हैं।और पुनः मित्र बन जाते हैं।कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि जन समाज मे सद्भवना का विकास होता है।

होली का पर्व सर्वधर्म ऐक्य का प्रतीक

होली पर्व को लगभग सभी धर्म सम्प्रदाय के लोग मिलजुल कर मनाते हैं।इस पर्व में सारी सीमाएं,सारे बंधन,टूट जाते हैं।जात-पात,उँच-नीच,अमीर-गरीब की दीवारें,ढह जाती हैं।सभी जनमानस होली के रंग में रंगकर सारी दुर्भावनाओं को भूलके एक हो जाते हैं।एक दूसरे को बधाई और शुभकामनाएँ देते हैं।

होली के प्राकृतिक रंग और पारम्परिकता का ह्रास

होली पर्व में आधुनिकता का प्रभाव भी पड़ा है।रंगोत्सव में उपयोग किये जाने वाले टेशू,पलास के फूलों के रंग की जगह अब नए-नए कृत्रिम रंगों का उपयोग हो रहा है।जो हमारे लिए हानिकारक है।लोक-गीत फाग की जगह फिल्मी गीतों का चलन शुरू हो गया है।पारम्परिक वाद्ययंत्रों ढोल, नँगाड़े, मांदर, की जगह आधुनिक वाद्ययंत्रों का उपयोग हो रहा है।जो हमारी संस्कृति के बिल्कुल विरुद्ध है।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि प्रेम,सद्भावना एवम एकता का प्रतीक यह होली पर्व हमारी संस्कृति की प्रतिष्ठा,मानवीय संस्कारों,जीवन मूल्यों की गरिमा को बचाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है।यह पर्व ईर्ष्या द्वेष जलन और बुराई को मिटाने का संदेश देता है।जो हमारी संस्कृति लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कुसमी पशु चिकित्सा अधिकारी पर ग्रामीण जनता द्वारा लगाया गया रिश्वत लेकर बैल का पोस्टमार्टम करने का आरोप

- संवाददाता -
बलरामपुर, 23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कुसमी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत जमीरा में दिनांक 20/3/24 को जमीरा ग्राम का निवासी कृष्णा नगेशिया द्वारा कुसमी पशु चिकित्सा अधिकारी पर आरोप लगाते हुए बलरामपुर कलेक्टर एवं एसपी से समाचार के माध्यम से अपील करते हुए कहा है की जमीरा ग्राम का निवासी बुधदेव बुनकर एवं उसकी परिवार निर्मला बुनकर द्वारा कृष्णा नगेशिया के बैल को जहर देकर अपने बाड़ी से डंडे से मारते हुए बैल को खेद कर लाया गया ,जहा कृष्णा नगेशिया के बैल के मुंह से खून निकल रहा था. तथा बैल की मृत्यु हो गई।

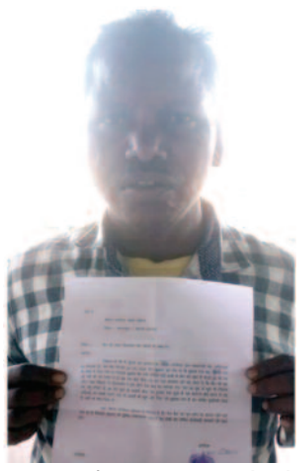

जिसकी लिखित शिकायत प्रार्थी कृष्णा नगेशिया द्वारा सामरी थाना में जाकर आवेदन दिया गया , तथा पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय कुसमी में बैल की मृत्यु होने की जानकारी दी गई ,जिसका पोस्टमार्टम कुसमी के पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा जाकर किया गया,जहा घटना स्थल पर बैल का मालिक कृष्णा नगेशिया के साथ और भी लोग पोस्टमार्टम करते समय घटना स्थल पर मौजूद रहे।

जहा कृष्णा नगेशिया के कहने के अनुसार बैल के मुंह से खून निकला हुआ था साथ ही बैल का कलेजा भी फटा हुआ दिखा , जिससे बैल मालिक सहित गांव के लोग जो लोग वहा उपस्थित थे सभी के द्वारा यह कहा गया की बैल को जहर देकर मार दिया गया है , जहर खाने से बैल के पेट के अंदर से निकला हुआ जहर ,या फटा हुआ कलेजा के टुकड़ा को घटना स्थल से लैब में जांच के लिए डॉक्टर द्वारा नही ले जाने के कारण बैल के मालिक द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारी पर पैसे की लेनदेन करके इस मामले को निपटाने की शिकायत समाचार के माध्यम से की गई है जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामरी थाना में शायद जमा कर दिया गया है , मगर बैल का मालिक कृष्णा नगेशिया एवं ग्राम के कुछ व्यक्ति द्वारा पोस्टमार्टम करते समय देखा गया की बैल का कलेजा फट गया है, तथा मुंह से खून निकलने के कारण यह शंका जताया है की बैल को जहर दे दिया गया है।

जिसके कारण बैल की मौत हो गई , तथा बुधदेव बुनकर एवं उनकी पत्नी निर्मला बुनकर जिनके द्वारा बैल को डंडे से मारपीट करते हुए लाया गया था जिसके द्वारा बैल को जहर देने की पूरी पूरी उम्मीद जताई जा रही है । जिस व्यक्ति द्वारा बैल को जहर देने एवम मार पीट करने के लिए देखा गया है आवेदक कृष्णा नगेशिया का कहना है की यह व्यक्ति पैसे के मामले में प्रभावशाली व्यक्ति है जो की पैसे का लेनदेन करके पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित सामरी थाना को भी मिला सकता है , समाचार के माध्यम से बलरामपुर कलेक्टर सहित बलरामपुर एस पी से उचित जांच कर बैल की मृत्यु होने का कारण अन्यंत्र जगह के पशु चिकित्सा अधिकारी से जांच कराते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट को सही ढंग से जांच कराने की मांग करते हुए बैल को जहर देकर तथा डंडे से मारपीट करने वाले दोषी व्यक्ति के उपर पशु अधिनियम एक्ट के तहत नियमानुसार कार्यवाही कराने की मांग है । जिससे बैल के मालिक को उचित न्याय मिल सके।

सामरी थाना प्रभारी के द्वारा संतोषजनक कार्यवाही नहीं किए जाने पर आवेदक ने एस पी बलरामपुर से लगाया गुहार

इस संबंध में कृष्णा नागेशिया द्वारा बार-बार सामरी थाना में जाने के बाद भी लिखित आवेदन देने पर पावती नही दिए जाने एवं संतोषजनक व्यवहार नहीं करने के कारण कृष्णा नागेसिया द्वारा बलरामपुर एस पी से बैल को ज़हर देकर मरवाने एवम डंडे से मारपीट करने पर हुई बैल की मौत के दोषी व्यक्ति पर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है,जिससे गरीब परिवार को न्याय मिल सके ,कृष्णा नागेसिया द्वारा समाचार के माध्यम से यह कहा गया है कि चुकी बैल को जिस परिवार द्वारा जहर देकर मारपीट करके मारने वाले व्यक्ति पैसे के मामले में काफी मजबूत है इसलिए इस संबंध में यह शंका जताया जा रहा है की पैसे की लेनदेन करके इस मामले को सामरी थाना प्रभारी द्वारा एवं पशु चिकित्सा अधिकारी कुसमी द्वारा रफा दफा किया जा सकता है

पशु चिकित्सा अधिकारी कुसमी शालीनता एक्का

कुसमी विकासखंड अंतर्गत पशु चिकित्सक अधिकारी शालीनता एक्का द्वारा इस संबंध में मीडिया से हुई फोन पर चर्चा करते समय बताया गया की मेरे द्वारा नियमानुसार पोस्टमार्टम की कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मेरे द्वारा संबंधित कार्यालय में जमा कर दिया गया है , बैल मालिक द्वारा पैसा लेकर पोस्टमार्टम लगाने आरोप गलत है

14 मामलों में अवैध महुआ शराब जब्त

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन पर सरगुजा पुलिस द्वारा आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के दृष्टिकोण से शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण बनाये रखने हेतु ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् ताबड़तोड़ आबकारी एक्ट के तहत् कार्यवाही की जा रही है। आदर्श आचार संहिता

प्रभावी होने के उपरांत दिनांक 16 से 22 मार्च के मध्य जिले में कुल 14 मामलों में धारा 34(2), 34(1)(क) आबकारी एक्ट के तहत् कार्यवाही की गई है, जो आरोपियों के कब्जे से कुल 319 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त की गई है। आबकारी एक्ट के मामले में 22 मार्च को कुल 8 प्रकरण में कुल 141 लीटर अवैध महुआ शराब के विरूद्ध कार्यवाही की गई है, इस प्रकार की कार्यवाही से निश्चित् रूप से आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विगत् दिवस जिला अन्तर्गत थाना उदयपुर में 2 प्रकरण 7 अवैध महुआ शराब 7ली. जप्त, थाना गांधीनगर में 1 प्रकरण अवैध महुआ शराब 50 ली. जप्त, थाना धौरपुर में 1 प्रकरण अवैध महुआ 50 ली. जप्त, थाना कमलेश्वरपुर में 1 प्रकरण अवैध महुआ शराब 18ली. जप्त, थाना सीतापुर में 1 प्रकरण 10 ली अवैध महुआ शराब जप्त, थाना मणीपुर में 1 प्रकरण अवैध महुआ शराब साढ़े तीन ली. जप्त एवं चौकी रघुनाथपुर में 03ली. अवैध महुआ शराब रखकर बिक्री करने के मामले में धारा 34(2), 34(1)(क) आबकारी एक्ट के तहत् कार्यवाही किया गया है।

सौहार्द्रपूर्ण कानून व्यवस्था बनाये रखने आबकारी एक्ट की ताबड़तोड कार्यवाही

सरगुजा पुलिस द्वारा आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के दृष्टिकोण पुलिस हुआ सख्त

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन पर सरगुजा पुलिस द्वारा आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के मद्देनजर शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण कायम रखने हेतु आबकारी एक्ट के तहत सख्त कार्यवाही जा रही है, आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के उपरांत दिनांक 16/03/2024 से 22/03/2024 तक सार्वजनिक स्थानों पर पीने वालों एवं उपद्रव फैलाने एवं शराब का सेवन करने हेतु सुविधा उपलब्ध कराने के मामलों में आबकारी एक्ट की धारा 36(च), 36(च)(1) एवं 36(क) के तहत् 45 मामलों में 49 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है, जिससे असामाजिक तत्वों के विरूद्ध दहशत का माहौल और आपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम की जा सकेगी।

- आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के उपरांत कुल 45 मामलों में 49 आरोपियों के विरूद्ध हुई कार्यवाही
- सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने एवं उपद्रव फैलाने के मामले में की गई कार्यवाही
- आबकारी एक्ट की धारा 36(च) एवं 36(च)(1) एवं 36(क) के तहत् सख्त कार्यवाही

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत आपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम के लिए प्रतिदिन आबकारी एक्ट के तहत् कार्यवाही की जा रही है, दिनांक 22/03/2024 को जिला अन्तर्गत थाना कोतवाली, लखनपुर और गांधीनगर में 04-04 प्रकरण, थाना मणीपुर और दरिमा में 02-02 प्रकरण और थाना लुण्ड्रा में 01 प्रकरण में आबकारी एक्ट के विरूद्ध कार्यवाही की गई, कुल 17 मामलों में 19 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है।

सरगुजा पुलिस द्वारा ''ऑपरेशन विश्वास'' के तहत् आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के दृष्टिकोण शांति एवं भयमुक्त वातावरण बनाये रखने हेतु आबकारी एक्ट के तहत् कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान...मायके वालों ने पति,सास-ससुर पर लगाया दहेज प्रताडना का आरोप

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

शराब पीकर घर लौटे युवक का पत्नी से शुक्रवार की रात विवाद हुआ। इस बीच पत्नी ने फांसी लगाने की कोशिश की तो उसने बचा लिया। फिर आधी रात उसकी बहन ने कमरे में आकर कहा कि भैया,भाभी ने फांसी लगा ली है। इसके बाद उसे फंदे से उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, यहां जांच पश्चात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मृतिका की मां ने ससुराल पक्ष वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर निवासी सिमरनजीत कौर 22 वर्ष की शादी वर्ष 2019 में अंबिकापुर के गोधनपुर निवासी सुमित सिंह से हुई थी। सुमित वाहनों की सीजींग (गाड़ी खींचने) का काम करता था। शुक्रवार की रात वह काम से घर लौटा तो पत्नी ने कहा कि आज फिर शराब पीकर आए हो। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। विवाद जब काफी बढ़ गया तो रात करीब 11.30 बजे पत्नी फांसी लगाने की कोशिश करने लगी। इस दौरान सुमित ने अपनी छोटी बहन की मदद से उसे बचाया। इसके बाद सभी सोने चले गए। इसी बीच रात करीब 3 बजे सुमित की बहन आई और कहा कि भैया,भाभी ने फांसी लगा ली है। यह बात सुनकर सुमित कमरे में पहुंचा तो पत्नी फंदे पर झूल रही थी। फिर फंदे से उतारकर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां जांच पश्चात डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुमित की मां की सूचना पर मृतिका की मां हरजीत कौर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची। यहां बेटी को मृत हालत में देख उसके रोने का ठिकाना न रहा। उसने ससुराल पक्ष के लोगों पर बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित व मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसका कहना था कि बेटी को उन्होंने आत्महत्या के लिए विवश किया होगा। उसने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

इससे ज्यादा दहेज तो भिखारी लोग दे देते हैं...

मृतिका की मां ने बताया कि उसकी समधन ने शनिवार की सुबह फोन किया था कि आपकी बेटी की तबियत काफी खराब है। आईसीयू में भर्ती है, आप 2 जोड़ी कपड़े लेकर आ जाइए,यहां दो-चार दिन रहना पड़ेगा। गाड़ी की व्यवस्था नहीं हुई तो समधन खुद लेने बिश्रामपुर आई थी। जब यहां पहुंची तो बेटी की लाश पड़ी थी। उसने बताया कि शादी के तीसरे ही दिन हमें अंबिकापुर बुलाया गया था। यहां समधन ने कहा था कि मायके से दहेज में मिला ही क्या है, इससे ज्यादा दहेज तो भिखारी लोग दे देते हैं। जबकि समधन यह बात अच्छे से जानती है कि मेरे पति की मौत हो चुकी है, मेरे भाइयों ने मिलकर बेटी की शादी की थी।

बाइक व स्कूटी की भिड़ंत में युवक की मौत,चार घायल

- एक घंटे बंद रहा एनएच-43,घायलों को बतौली अस्पताल में समय पर नहीं मिल सका इलाज

- संवाददाता -
बतौली,20 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

एनएच 43 स्थित बतौली पुल के पास शनिवार की सुबह बाइक व स्कूटी में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में भर्ती कराया गया। यहां घायलों को इलाज के लिए एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसके बाद इन्हें बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं घटना के बाद मौके पर एक घंटे तक एनएच जाम रहा। सडक़ के दोनों ओर वाहरों की लंबी लाइन लग गई।

जानकारी के अनुसार देवधारी नगेशिया (25) जशपुर जिले के पंडरापाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गेरसा का रहने वाला था। वह शनिवार की सुबह दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से अपने साला प्रभु (18) व सुरजो बाई (40) के साथ वापस घर जा रहा था। बतौली पहुंचने से पहले पुल के पास बाइक की गति तेज होने के कारण उछलकर सामने से आ रही स्कूटी से टकरा गई। दुर्घटना में स्कूटी सवार मनोज पिता पारस नाथ व मनोज गुप्ता पिता बनारसी गुप्ता सहित बाइक सवार तीनों सडक़ पर गिर गए। सिर में गंभीर चोट लगने से बाइक चला रहा देवधारी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के करीब 15 मिनट बाद उसी रास्ते से जा रहे अंबिकापुर जा रहे सीतापुर एसडीएम रवि राही ने एंबुलेंस के लिए बीएमओ को फोन किया। परंतु एम्बुलेंस के ड्राइवर उपलब्ध नहीं होने के कारण एंबुलेंस नहीं मिल पाया। डायल 112 की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली तक पहुंचाया गया। दुर्घटना में घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य बतौली में भर्ती कराया गया। यहां अस्पताल की अव्यवस्था के कारण घायलों को तत्काल उपचार शुरू नहीं हो सका। इन्हें इलाज के लिए एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। गंभीर रूप से घायल प्रभु को वार्ड के एक बेड में लिटा कर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया था। यहां बताया गया कि उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है, अब वहीं उसका उपचार होगा। चिकित्सकों के उपलब्ध नहीं होने के कारण 30 बिस्तरीय अस्पताल रेफरल सेंटर के रूप में काम कर रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली में एक शव वाहन, एक महतारी एक्सप्रेस, एक एम्बुलेंस है। बतौली को प्रदाय की गई 108 एंबुलेंस और एक अन्य एंबुलेंस कंडम अवस्था में अस्पताल परिसर में खड़ी है। एक एंबुलेंस से बीएमओ दौरे पर थे।

एनएच हुआ जाम...वाहनों की लगी कतार

साढ़े दस बजे दुर्घटना हुई और घायलों को अस्पताल ले जाते साढ़े ग्यारह बजे गए। मौके पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। नेशनल हाइवे 43 में सघन आवागमन होने के कारण एक घंटे में ही सैकड़ों वाहनो की कतार लग गई। घायलों व युवक को शव को हटाने के बाद मार्ग में आवागमन शुरू हो सका।

फॉयनेंशियल कंपनी के पूर्व शाखा प्रबंधक गिरफ्तार, 62.18 लाख रुपए किया था गबन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

आरोहरण फायनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड ब्रांच के पूर्व शाखा प्रबंधक व सहायक शाखा प्रबंधक द्वारा 62.18 लाख रुपए गबन कर लिया गया था। इसके बाद दोनों को कंपनी द्वारा निलंबित कर दिया गया था। वहीं कंपनी ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पूर्व शाखा प्रबंधन को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आरोहरण फायनेंसियल सर्विसेस लिमिटेड ब्रान्च अम्बिकापुर पूर्व शाखा प्रबंधक अक्षय कुमार टण्डन एवं पूर्व सहायक शाखा प्रमुख लक्ष्मण यादव द्वारा 1 अगस्त 2023 से 26 जनवारी 2024 तक कंपनी का 62.18 लाख रुपए हेराफेरी कर गबन कर लिया गया था। कंपनी को जानकारी मिलने पर दोनों को निलंबित कर दिया गया था। वहीं कंपनी के वर्तमान शाखा प्रबंधक रीरादास मानिकपुरी ने मामले की रिपोर्ट 22 मार्च को मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की विवचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने पूर्व शाखा प्रबंधक अक्षय कुमार टण्डन उम्र 27 वर्ष निवासी भुंईगांव थाना पामगढ़ जिला जांजगीर-चांपा को गिरफ्तार किया है। वहीं सहायक शाखा प्रबंधक फरार है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन बोले...हत्याकांड के दोषियों को छोड़ेंगे नहीं...24 मार्च को राष्ट्रीय शोक

मॉस्को,20 मार्च 2024। रूस के क्रॉकस सिटी में हुई गोलीबारी में 140 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 मार्च के दिन राष्ट्रीय शोक का एलान किया। पुतिन ने कहा कि इस हत्याकांड के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच के बाद हत्याकांड के दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। गौरतलब है कि रूस में हुए हमले के बारे में रूसी सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, हमलावरों के यूक्रेन में संपर्क थे और वह बॉर्डर की तरफ भाग रहे थे। हालांकि, रूस-यूक्रेन बॉर्डर तक पहुंचने से पहले ही उन्हें ब्रायन्स्क प्रांत में पकड़ लिया गया।

बर्बर आतंकी कृत्य के बाद 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक का ऐलान

मॉस्को की गोलीबारी पर निराशा और दुख का इजहार करते हुए हाल ही में पांचवीं बार राष्ट्रपति चुने गए पुतिन ने देशवासियों से मुखातिब होकर कहा,मैं आज आपसे उस खूनी, बर्बर आतंकवादी कृत्य के संबंध में बात कर रहा हूं, जिसमें दर्जनों निर्दोष, शांतिपूर्ण लोग शिकार बने। मैं 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित करता हूं।

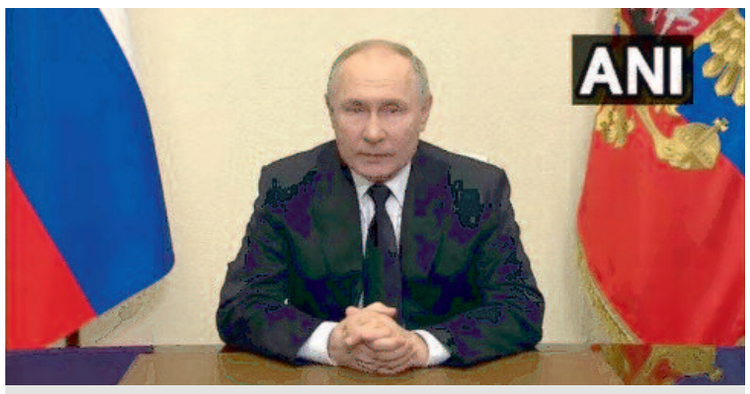

इस्लामिक स्टेट के आतंकियों की करतूत; मॉस्को में हाई अलर्ट

आतंकियों ने क्रॉकस सिटी में मासूम लोगों को निशाना बनाते हुए हॉल में धमाका किया और जमकर गोलियां बरसाईं। इस घटना के बाद मॉस्को में हाई अलर्ट जारी करते हुए रूस की सुरक्षा एजेंसी और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया। अब तक इस घटना पर 11 संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से चार वह बंदूकधारी हैं, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल रहे।

रूसी राष्ट्रपति ने वीडियो संदेश जारी कर दिखाई सख्ती

पुतिन ने एक वीडियो जारी कर कहा, हमलावरों ने भागने की कोशिश की,वे यूक्रेन की सीमा की ओर बढ़ रहे थे...जांच अधिकारी हमलावरों की पहचान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। ये अपराधी विशेष रूप से हमारे लोगों को मारने के लिए गए थे। पुतिन ने अन्य देशों से सहयोग की उम्मीद भी जताई। रूसी राष्ट्रपति ने सख्त लहजे में कहा कि इन आतंकवादियों की कोई राष्ट्रीयता नहीं है।

रूस पर यह हमला देश पर नए खतरे को दिखाता है

अप्रत्याशित आतंकी हमले के बाद रूसी एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने कहा कि इस मामले में जांच जारी है। वहीं, रूस के इन आरोपों पर यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार ने कहा कि इस घटना से उनका कोई भी लेना-देना नहीं है। घटना पर रूस के सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पातृशेव ने कहा कि आईएस-खोरासान का रूस पर यह हमला देश पर आए नए और गंभीर खतरे को दर्शाता है।

तीन दिवसीय यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे जयशंकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

सिंगापुर,20 मार्च 2024। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी तीन दिवसीय सिंगापुर की यात्रा शुरू की। सिंगापुर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले युद्ध स्मारक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी।

सिंगापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ÷नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मैंने सिंगापुर की यात्रा शुरू की। सिंगापुर में आईएनए स्मारक उनकी देशभक्ति और भावना को पहचानता है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद जयशंकर इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज पहुंचे। वहां उन्होंने वैश्वीकरण के उदाहरण पर जोर दिया। उन्होंने विदेश नीति पर भी बात की और इसके महत्व को बताया।

जयशंकर ने कहा, हम वैक्सीन के बहुत बड़े उत्पादत थे। मैं उन पांच मंत्रियों के ग्रूप में शामिल था, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैक्सीन से निपटने का काम सौंपा था। इसका एक हिस्सा महामारी को अपनी तरफ आते देखना था और देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमताओं के साथ उस वक्त की जरूरी बाकी प्रतिक्रियाओं को बढ़ाना था। जब एक बार हमने काम करना शुरू कर दिया तो वैश्वीकरण के अन्य पहलू भी दिखाई देने लगे, जिसने हमें बताया कि विदेश नीति क्यों जरूरी है।

वाई भारत मैटर्स पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा, यह कहते हुए अच्छा लगता है कि हम आपकी जिंदगी में पहले की तुलना में ज्यादा महत्व रखते हैं, क्यों? क्योंकि हम बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। आज यह देश एक साल में आठ एयरपोर्ट बनाता है। हर दिन 28 किमी राजमार्ग बनाता है। इसके साथ ही पिछले 10 वर्षों से इसने एक दिन में दो कॉलेज बनाए हैं।

राइस मिल में लगी भीषण आग, ढाई घंटे के बाद पाया गया काबू

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र ग्राम भिट्ठीकला में संचालित राइस मिल में शनिवार की सुबह आग लग गई। मिल में आग लगने से अफरातफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और ढाई घंटे के मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग कैसे लगी इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं लग पाई है। आगजनी से मिल संचालक को काफी नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठीकला में बीएम फुड राइस मिल है। शनिवार की सुबह करीब 9 बजे अचानक आग लग गई। राइस मिल में काफी बारदाना रखा था। आग के बढ़ते रूख को देखते हुए इसकी जानकारी तत्काल होमगार्ड के अग्निशमन विभाग को 9.52 बजे दी गई। सूचना पर मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर विभाग के कर्मचारियों ने ढाई घंटे मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के लिए फायर कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। बेल्डिंग के चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि फायर टीम को मौके पर वेल्डिंग करते कोई नहीं मिले, लेकिन वहां वेल्डिंग मशीन होने से ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है। आग बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से तीन दमकल भेजा गया। इस दौरान फायर स्टेशन प्रभारी के अलावा जिला अग्निशमन अधिकारी एसके कठुतिया भी मौजूद रहे। आग बुझाने में दमकल चालक सोबरन दास, फायरमैन शंकर लाल, विजय यादव, सैनिक जुवेल उरांव सक्रिय रहे।

अनुच्छेद 370 हटाना ऐतिहासिक कदम, महाराजा हरि सिंह के पोते अजातशत्रु ने की यूएन में मोदी सरकार की तारीफ

जनेवा,20 मार्च 2024। संयुक्त राष्ट्र में महाराजा हरि सिंह के पोते और भाजपा के वरिष्ठ नेता एमके अजातशत्रु सिंह ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेज 370 को निरस्त करने के भारत सरकार के साहसिक फैसले की सराहना की। गौरतलब है कि महाराजा हरि सिंह के पोते अजातशत्रु, जिन्होंने 1947 में भारत के साथ क्षेत्र के विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए थे, ने पाकिस्तान के कब्जे में रहने वाले लोगों की दुर्दशा के लिए अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप की मांग की।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में दर्ज की गिरावट

शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में दिए अपने संबोधन में भाजपा के वरिष्ठ नेता एमके अजातशत्रु ने कहा कि 2019 में संवैधानिक सुधारों के बाद से क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं में गिरावट दर्ज की गई है। 2004 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर में कुल 7,217 आतंकवादी घटनाएं हुईं हालांकि, सुधारों के कारण आतंकवादी घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। यह सुधार क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में सरकार के कार्यों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है।

बुनियादी ढांचे के विकास में क्षेत्र में हुआ विकास

अजातशत्रु ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जम्मू और कश्मीर ने बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय क्रांति दर्ज की गई है, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजों, सुरंगों, रेलवे लाइनों और नागरिक बुनियादी ढांचे शामिल है। अविभाजित जम्मू-कश्मीर के राजा करण सिंह के बेटे ने कहा कि ये प्रगति क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए हासिल की गई है।

पाकिस्तान द्वारा कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर पर दें ध्यान

पूर्व मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लोगों की स्थिति को सुधारने के लिए सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के मुताबिक ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनकी शिकायतों का समाधान करें और यह सुनिश्चित करे कि उनके मौलिक अधिकारों को बरकरार रखा जाए। हालांकि, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि जम्मू-कश्मीर के सभी हिस्सों को समान रूप से लाभ नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में बढ़ते आतंकवाद पर राष्ट्रपति जरदारी ने अफगानिस्तान को दी चेतावनी, फिर अलापा कश्मीर राग

इस्लामाबाद,20 मार्च 2024। पड़ोसी देश पाकिस्तान के आर्थिक हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बढ़ते राजनीतिक ध्रुवीकरण और आतंकी हमलों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पाकिस्तान नकदी संकट से जूझ रहा है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने यह बात खुले मंच से कही। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि आपसी मतभेदों को दूर करें और भविष्य में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान दें।

मतभेद खत्म करने से निकलेगा हल-जरदारी

राष्ट्रपति जरदारी इस्लामाबाद स्थित परेड ग्राउंड में 84वें पाकिस्तान दिवस समारोह के दौरान सेना को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के राजनीतिक दलों को अपने आपसी मतभेद खत्म करने होंगे। जरदारी ने बातों बातों में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध प्रदर्शन का जिक्र किया। आपको बता दें कि तोशखाना मामले में इमरान खान को 14 साल जेल की सजा सुनाई गई है। पाकिस्तान में मौजूद उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

बीच बचाव करने गई वृद्ध मां को बेटे ने डंडे से सिर पर मारा,इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम आरा दर्रिपारा निवासी एक युवक 14 मार्च की रात को पत्नी के साथ विवाद कर रहा था। बीच बचाव करने पहुंची वृद्ध मां पर युवक ने डंडे से सिर पर मार दिया था। इससे वृद्धा गंभीरा रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मोतो बाई उर्फ मंती पति कमल उम्र 80 वर्ष सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम दर्रीपारा की रहने वाली थी। 14 मार्च को शराब के नशे में इसका बेटा रामकुमार अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। बेटा-बहू के बीच विवाद होता देख मां बीच बचाव करने लगी। इस दौरान गुस्से में बेटा ने वृद्धा मां के सिर पर डंडे से मार दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दरवाजा के नीचे दबने से मासूम बच्चे की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

बगीचा थाना क्षेत्र में 2 साल का बच्चा शनिवार की सुबह बपने घर में खेल रहा था। तभी घर का दरवाजा उखडक़र उसके ऊपर गिर गया। इससे मासूम बच्चा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार निलेश पिता गोपाल राम उम्र 2 वर्ष बगीचा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। मासूम बच्चा शनिवार की सुबह घर में खेल रहा था। वहीं घर में नया दरवाजा फिट गया गया था। संभवत~ सही से फिट नहीं होने के कारण खेल रहे बच्चे के ऊपर गिर गया। इसेस वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

आदर्श चुनाव आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा शासकीय पीजी कालेज के आडिटोरियम में राजनीतिक कार्यक्रम किए जाने पर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज कराया है। जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने निर्वाचन अधिकारी को लिखित शिकायत की है। उन्होंने बताया अचार संहिता लागू होने के बाद शासकीय शैक्षणिक संस्थान जहां वार्षिक परीक्षा का संचलन हो रहा है उस परिसर में राजनीतिक कार्यक्रम की अनुमति सत्ताधारी भाजपा दबाव बनाकर अनुमति ली गयी है, ऐसा प्रतीत होता है। कांग्रेस ने इस मामले पर संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की है।

शहीद भगत सिंह,सुखदेव और राजगुरु के शहादत पर निकाली गई प्रभात फेरी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद भगत सिंह,सुखदेव और राजगुरु शहादत के 93 वें वर्ष मनाया गया। शहादत दिवस के अवसर पर 23 मर्च की सुबह इप्टा द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान गदर पार्टी, जलियांवाला बाग, और काकोरी कांड के शहीदों सहित शहीद करतार सिंह,भगवती चरण वोहरा, दुर्गा भाभी, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल इत्यादि अनेकानेक शहीदों को याद किया। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की तस्वीर लिए लोगों इन शहीदों को याद करते हुए साम्राज्यवाद का नाश हो और समाजवाद के पक्ष में नारे लगाते हुए गांधी चौक से लेकर शहर के महामाया चौक तक प्रभात फेरी निकाली। जितेंद्र सिंह सोढ़ी कहा कि शहीदों ने समाजवादी व्यवस्था की कल्पना की थी ,जिसमें सभी को उनकी मेहनत का हक मिले, एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का शोषण न कर सके तथा अमीरी-गरीबी का भेद न हो, लोग परस्पर मिलजुल कर रहें। इप्टा अंबिकापुर के अध्यक्ष अंजनी पांडे ने कहा कि, जो भूल जाने के कगार पर थे उन्हें याद रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है गीत गाकर लोगों में ऊर्जा का संचार किया। उसके बाद शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

इस मौके पर प्रवीण प्रताप सिंह, आशीष श्रीवास्तव, जावेद खान, वेद प्रकाश अग्रवाल तथा विजय गुप्त, राधा गोविंद सिंह, चंद्र प्रकाश शुक्ला तथा अनिल द्विवेदी, बाल सिंह, जितेंद्र सिंह सोढ़ी, चरनप्रीत सिंह, अवस्थी, रविंद्र स्वर्णकार,कृष्णानंद तिवारी, अशफाक अली, जयेश वर्मा, कृपाल सिंह, सरदार रघुवीर सिंह छाबड़ा, संजय मनवानी, प्रकाश नारायण सिंह, रघुनाथ प्रधान, चंद्रभान के अलावा स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। रैली का संयोजन प्रितपाल सिंह अरोड़ा का था।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा डॉयल 112 वाहन के कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा आज डॉयल 112 के आरक्षक अमित मझवार और वाहन चालक राकेश बड़ा को नगद और प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया है। 21 फरवारी को थाना लखनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चांदी सुन्दरपुर में महिला को प्रसव पीड़ा होने की सूचना पर पीड़िता के घर सडक़ से 1 किमी अन्दर होने से वाहन नहीं पहुंच पाती थी, उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा पीड़िता के परिजनों के सहयोग से पगडण्डी रास्ते में सावधानी पूर्वक चलकर वाहन तक लाया गया तथा उपचार हेतु शासकीय अस्पताल हेतु रवाना हुए, अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही प्रसुता द्वारा नवजात शिशु को जन्म दिया। प्रसव उपरांत शिशु व पीड़िता को शासकीय अस्पताल लखनपुर ले जाकर भर्ती कराया गया। उक्त सराहनीय कार्य हेतु पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा प्रशंसा व्यक्त किया गया है, एवं कर्मचारियों के कर्तव्य पालन की अपेक्षा के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

सरगुजा पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही जारी

- आर्म्स एक्ट के मामले में 01 आरोपी गिरफ्तार...
- थाना लुण्ड्रा पुलिस द्वारा मामले में की गई सख्त कार्यवाही...
- मामले में आरोपी के कब्जे से लोहे का गड़ासा किया गया जप्त...

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के दृष्टिकोण से शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण कायम रखने हेतु आर्म्स एक्ट की कार्यवाही की गई है, थाना लुण्ड्रा पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के मामले में विधिवत् कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से एक लोहे का गड़ासा जप्त किया गया है।

मामले का विवरण इस प्रकार है, कि दिनांक 22/03/2024 को सउनि रामकरण राजवाड़े हमराह स्टॉफ के साथ देहात रवाना हुए थे, उसी दौरान जरिये मुखबीर सूचना मिला, कि ग्राम लुण्ड्रा के रैन बसेरा के पास एक व्यांक्त अपने हाथ में एक लोहे का गड़ासा लेकर लहराकर आम रास्ते में राहगीरों का फल ठेला वालों को डरा-धमका रहा है। सूचना तस्दीकी हेतु मौके पर पहुंचे, मौके पर आरोपी ओमप्रकाश उर्फ लांगुड अपने हाथ में एक लोहे का धारदार गड़ासा को पकड़कर लहराकर लोगों को डराते-धमकाते पाया गया, जो उक्त गड़ासा को हमराह स्टॉफ की मदद से आरोपी के कब्जे से लेकर गवाहों के समक्ष नोटिस जारी कर गड़ासा रखने संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, जिसके द्वारा किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। मौके पर आरोपी आरोपी ओमप्रकाश उर्फ लांगुड पिता बुधराम, उम्र 24 वर्ष, निवासी लुण्ड्रा, थाना लुण्ड्रा, जिला सरगुजा के विरूद्व 25, 27 आर्म्स एक्ट की कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया। सरगुजा पुलिस द्वारा आगामी आमचुनाव एवं होली त्यौहार के दृष्टिकोण शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण कायम रखने हेतु आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। मामले में थाना लुण्ड्रा प्रधान आरक्षक जितेन्द्र भगत, आरक्षक रामप्रसाद लकड़ा इत्यादि सक्रिय रहे।

भारत के 10 शानदार समुद्री तट

जहां है एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी

भारत के तीन ओर समुद्र और एक ओर हिमालय है। भारत के ये राज्य समुद्र से लगते हैं- 1. आंध्रप्रदेश, 2. पश्चिम बंगाल, 3. केरल, 4. कर्नाटक, 5. उड़ीसा 6. तमिलनाडु, 7. महाराष्ट्र 8. गोवा, 9. गुजरात, 10. पुडुचेरी, 11. अंडमान-निकोबार, 12. दमण-दीव और 13. लक्षद्वीप। इन राज्यों में एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी के लिए कई सुंदर समुद्री तट हैं।

लक्षद्वीप

यहां के मुख्य समुद्री तट हैं कावरती तट,कल्पेनी तट,मिनीकॉय तट, कदामत तट,अगाती तट और बंगाराम तट। कदमत द्वीप और मिनीकॉय तट पर आप एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं।

गोवा

गोवा के दो भाग है नार्थ गोवा और साउथ गोवा। नार्थ गोवा के बागा तट, कैंडोलिम,कालांगुट तट और मीरामार तट पर आप एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं। दक्षिण गोवा में कोल्वा तट,पालोलेम और बघमाली बीच को देखकर आपका मन रोमांचित हो जाएगा।

दमण दीव

दमन और दीव गुजरात के जूनागढ़ और महाराष्ट्र के मुंबई के समीप अरब सागर में स्थित द्वीप समूह हैं। दीव के देवका तट पर बच्चों के लिए इस तट पर भरपूर मनोरंजन के साधन है-जैसे मनोरंजन पार्क, कलरफूल वॉटर फाउंटेन और सबसे खास खच्चर पर बैठकर समुद्र के किनारों की सैर करना।यही पर ठहरने और घुमने की सारी व्यवस्थाएं हैं।

पुरी

ओड़िसा राज्य में पुरी का समुद्री तट बहुत ही सुंदर है। यहां पर भगवान जगन्नाथ विराजमान हैं। यहां की अद्भुत छटा देखते ही बनती है। समुद्र पर वाटर एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं।

कन्याकुमारी

कन्याकुमारी समुद्र तट पर हिंद महागार, अरेबिन और बंगाल की खाड़ी का संगम होता है। यह हिंदुओं का प्राचीन तीर्थ स्थल केंद्र है। कन्याकुमारी अपने सूर्य उदय, सूर्यास्त और पूर्णिमा के चांद के दर्शन के लिए प्रसिद्ध है। बहुरंगी रेत के साथ यहां के समुद्री और आकाशीय नजारे देखते ही बनते हैं। तमिलनाडु के ममल्लापुरम बीच पर भी आप सभी एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं।

केरल

केरल में बहुत सारे सुंदर समुद्री तट है परंतु कोवलम पर अधिकतर लोग जाते है। भारत के केरल राज्य में तिरूवनंतपुरम के पास सबसे प्रसिद्ध कोवलम बीच मनमोहक और बहुत ही सुंदर है जो आंखों को बहुत ही सुकून देता है। यह बीच अपनी सुन्दरता और पर्यटकों को मिलने वाली बेहतर सुविधाओं के लिए जाना जाता है। केरल का वर्कला बीच और मारारी तट भी बहुत शानदार है।

पांडिचेरी

इसे भारत का फ्रांस कहा जाता है। यहां पर यनम, माहे, कराईकल और बोट हाउस, चुन्नाम्बर समुद्री तट है। चुन्नाम्बर पर आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा सभी तटों की सुंदरता को देखकर आप अचंभित रह जाएंगे।

ऋषिकोंडा तट

यदि आप छुट्टियां मनाने का सोच रहे हैं, तो तुरंत ही चले जाएं आंध्रा के ऋषिकोंडा तट पर। यहां के अनछुए रेतीले मैदान और समुद्र की गर्म तरंगें, जहां इसके आकर्षण को बढ़ाती है वहीं यह आपको एक नए अहसास का परिचय भी कराती हैं। विशाखापट्नम से केवल आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित ऋषिकोंडा तट सुनहरी रेत से बना एक मनोहारी स्थल है। यहां पहाड़ी कॉटेज है। तैराकी और जल क्रीड़ाओं के शौकीन जैसे स्काइंग और विंड सर्फिंग के लिए ऋषिकोंडा एक आदर्श गंतव्य है।

मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में जूहु चौपाटी बीच पर जाएं। यहां एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी के साथ ही और भी कई तरह के मनोरंजन के साथन करने और देखने को मिल जाएंगे।

अंडमान निकोबार

यदि आप अंडमान आते हैं, तो आपको राधानगर बीच पर जाना चाहिए। यहां पर सभी तरह की एडवेंचर और वाटर एक्टिविटी मिल जाएगी। यहां के समुद्री तट पर इतने रंगों की मछलियां और अन्य जीव जंतु पाए जाते हैं जितने रंग के किसी अन्य समुद्री तट पर नहीं पाए जाते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, कैंपिंग, ट्रेलिंग, स्कूबा डाइविंग आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

गर्मियों में आ रहा खूब बदबूदार पसीना,इससे बचने के लिए करें ये खास उपाय,जल्द मिलेगा आराम

गर्मियां आते ही पसीने की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ लोगों का पसीना बदबूदार होता है, जिससे वह लोगों के पास जाने और उनसे बात करने से कतराते हैं। अक्सर पसीना आने के कई कारण होते हैं जैसे अधिक गर्मी,मेहनत करना, भागा दौड़ी वाला काम, कड़क धूप में चलना, खराब खानपान की वजह से भी ऐसा होता है। पसीना आने से इंसान का चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है और वह किसी से भी ठीक से बात नहीं करता है। आज इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे उपाय के बारे में जिनको कर आप बदबूदार पसीने से छुटकारा पा सकते हैं।

अपनाएं ये टिप्स

पसीना आना एक आम समस्या है, जो हर किसी में देखी जाती है। लेकिन जब पसीना बदबू पहुंचने लगे तो शर्मिंदगी महसूस होती है. आईए जानते हैं कुछ खास ट्रिक के बारे में जिनकी मदद से आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं। सबसे पहले गर्मियों में आपको दिन में कम से कम दो बार नहाना होगा, नियमित रूप से शेविंग करनी चाहिए। तनाव ज्यादा करने से भी पसीने की बदबू बढ़ जाती है. बदबू से बचने के लिए आपको पानी अधिक मात्रा में पीना चाहिए। नहाने के पानी में नींबू का रस मिलाकर उसमें बेकिंग सोडा एलोवेरा जूस और चंदन भी मिलाएं। इस ट्रिक को अपनाकर आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं। कई बार दवाई गोली का ज्यादा सेवन करने से भी पसीने की बदबू आती है। इससे बचाव के लिए अगर आप दिन में कम से कम दो बार नहाते हैं, तो आपके शरीर से सारे बैक्टीरिया और अशुद्धता साफ होती है। इसके अलावा स्वस्थ और संतुलित आहार खाएं, साफ सफाई का ध्यान रखें, कपड़ों को रोजाना धोए, साथ ही पानी का सेवन अधिक करें।

होली के रंग कहीं बन न जाए बहरेपन की वजह, एक्सपर्ट के बताएं इन तरीकों से करें कानों का बचाव

होली का त्योहार हंसी-खुशी और रंगों का पर्व है। देशभर में इसे लोग बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। आमतौर पर लोग रंगों से इस त्योहार को सेलिब्रेट करते हैं। हर साल फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला होली का त्योहार हिंदू धर्म के अहम और बड़े त्योहारो में से एक है। लोग पानी और रंगों के साथ होली खेलते हैं, जो काफी मजेदार भी होता है। हालांकि, कई बार कुछ वजहों से होली के रंग में भंग पड़ जाता है। होली खेलते समय अक्सर लापरवाही या किसी अन्य वजह से पानी और रंग आसानी से हमारे कानों में प्रवेश कर जाते हैं, जिसकी वजह से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि होली की मौज-मस्ती के दौरान अपने कानों का खास ख्याल रखा जाए। ऐसे में गुरुग्राम के सीके बिड़ला हॉस्पिटल के एलर्जी एवं ईएनटी विशेषज्ञ और सलाहकार डॉ. विजय वर्मा होली के दौरान अपने कानों की सुरक्षा के लिए कुछ सुझाव बता रहे हैं।

इयरप्लग का उपयोग करें

अपने कानों को पानी और रंगों से बचाने के लिए इयरप्लग का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आसानी से फार्मेसी दुकानों में मिल जाते हैं। इनके इस्तेमाल से आपके कान सुरक्षित रहते हैं और पानी या रंग आपके कानों के अंदर नहीं पहुंच पाते हैं।

गुब्बारे, वॉटर गन से सुरक्षित रहें

होली के दौरान इस्तेमाल होने वाले पानी के गुब्बारे, वॉटर गन और पानी की बाल्टियों को संभालते समय सावधान रहें ताकि आपके कानों में पानी न जाए। पानी से खेलते समय, इसे अपने कानों से दूर रखने की कोशिश करें ताकि यह आपके कान के अंदर न जाए।

अपने कानों को ठीक से सुखाएं

होली खेलने के बाद अपने कानों को पूरी तरह से सुखाने के लिए सूखे तौलिए का उपयोग करें। अतिरिक्त पानी को बाहर निकलने देने के लिए अपने सिर को दोनों तरफ झुकाएं। पानी की वजह से होने वाली समस्याओं को रोकने के लिए, रुई के फाहे का उपयोग न करें या अपने कान में कुछ भी न डालें।

कानों को ढककर रखें

होली खेलते समय अपने कानों को ढककर रखें। अगर आपके पास इयरप्लग नहीं है, तो आप कॉटन बॉल या इयर मफ का उपयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने कानों से रंग और पानी को दूर रख सकेंगे।

इयरफोन या हेडफोन के इस्तेमाल से बचें

होली पार्टी में शामिल होने के दौरान संगीत या पॉडकास्ट सुनना आनंददायक हो सकता है, लेकिन इयरफोन या हेडफोन लगाने से पानी और रंग के आपके कानों में जाने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में अपने कानों की सुरक्षा के लिए, इसके बजाय स्पीकर का उपयोग करें या बस शोर-मुक्त उत्सव मनाएं।

मॉडिफाइड जीप की टक्कर से कॉलरीकर्मी की मौत

टक्कर मारकर बोला...जिंदा है या मर गया...फिर हुआ फरार...

आरोपी

मृतक

गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने भटगांव मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। वहीं अपराध दर्ज होने के बाद बाद शनिवार को भी आरोपी के नहीं पकड़े जाने पर लोगों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने सडक़ पर उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान भटगांव थाना प्रभारी राजेंद्र साहू उन्हें समझाइश देने में लगे रहे।

उपद्रवी है युवक

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि आरोपी उपद्रवी है। वह बिना नंबर की मॉडिफाइड जीप में हूटर बजाकर लोगों के बीच दहशत फैलाता रहता है। पुलिस भी उसपर कार्रवाई करने से बचती है। लोगों का यह भी कहना है कि कई बार उक्त जीप में पुलिसकर्मी भी घूमते देखे गए हैं।

आरोपी को जल्द ही हम गिरफ्तार कर लेंगे। पुलिसकर्मियों का जीप में बैठा वीडियो एडिटेड है, उसे लोग तरह-तरह से चला रहे हैं। जीप में हूटर बजाकर चलने वाला वीडियो मैं देख नहीं पाया हूं।

राजेंद्र साहू, थाना प्रभारी भटगांव

-संवाददाता-
सुरजपुर,23 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

बिना नंबर की मॉडिफाइड जीप में हूटर बजाकर चलने वाला युवक शुक्रवार की रात घर से सामान लेने निकले कॉलरीकर्मी को टक्कर मार दी। टक्कर मारकर वह बोला कि जिंदा है या मर गया। इसके बाद वह दूसरे गाड़ी में बैठकर वहां से फरार हो गया। जीप की टक्कर से कॉलरीकर्मी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना से गुस्साए लोगों ने रात में ही चक्काजाम किया। वहीं पुलिस द्वारा युवक को गिरफ्तार नहीं किए जाने के बाद शनिवार की दोपहर भी लोगों ने सडक़ पर उतरकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित डबल स्टोरी क्वार्टर नंबर 795 निवासी कुंवरलाल सूर्यवंशी 59 वर्ष एसईसीएल के महान-1 खदान में फीटर के पद पर पदस्थ था। शुक्रवार की देर शाम करीब 7.30 बजे वह घर से सामान लेने पैदल निकला था। सामान लेकर वह भटगांव मेन रोड स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान के सामने 8 बजे पहुंचा था।

इसी दौरान बिना नंबर की काले रंग की महिंद्रा की मॉडिफाइड जीप चला रहे भटगांव निवासी आदित्य सिंह पिता स्व. शैलेंद्र सिंह ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वह जीप से उतरा और बोला कि जिंदा है या मर गया। मॉडिफाइड जीप की टक्कर से कॉलरीकर्मी की मौत, टक्कर मारकर बोला- जिंदा है या मर गया, फिर हुआ फरारइसके बाद दूसरे वाहन में बैठकर वहां से फरार हो गया। इधर हादसे में सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट लगने से कॉलरीकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की रिपोर्ट उसके पुत्र ने भटगांव थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 304 ए के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

18 हजार रूपये के अंग्रेजी शराब सहित 1 गिरफ्तार,चौकी खड़गवां पुलिस की कार्यवाही

-संवाददाता-
सुरजपुर, 23 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले की पुलिस के द्वारा अंतरराज्यीय सीमा सहित जिले के सभी बार्डर में 24 घंटे लगातार कड़ी चेकिंग की कार्यवाही की जा रही है तथा सजगता बरती जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 23.03.24 को चौकी खड़गवा के चेकपोस्ट में वाहन चेकिंग के दौरान एक स्कॉपियों वाहन की चेकिंग के दौरान अवैध ब्लैक डॉग अंग्रेजी शराब 7 लीटर 500 ग्राम कीमत 18 हजार रूपये का पाया गया। मामले में वाहन चालक आरोपी आईएपम पिता सेतु उम्र 27 वर्ष निवासी परजी पेटई तमिलनाडु, हाल मुकाम चेन्नई राधा कंपनी जगरनाथपुर महान-2 खदान के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर अंग्रेजी शराब व परिवहन में प्रयुक्त स्कॉपियों वाहन क्रमांक सीजी 15 ईए 3128 को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही में शामिल पुलिस अधिकारी-कर्मचारी

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी खड़गवां योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक संजय सिंह यादव आरक्षक मनोज राय, राकेश सिदार, भगत सिंह व सैनिक विकास गुप्ता सक्रिय रहे।

बकरा चोरी करने वाले एक विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक सहित 4 पकड़ाए

-संवाददाता-
सुरजपुर,23 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

विगत शुक्रवार को ग्राम श्यामनगर भटगांव निवासी सपुरन राजवाड़े ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि बकरा-बकरी को घास चराने के बाद घर के बाहर बांधकर रखा था, सुबह 10 बजे लोग हल्ला करने लगे कि बकरा को चोरी कर सफेद रंग के स्कार्पियों गाड़ी में लेकर भाग रहे है तब यह और इसकी पत्नी देखे कि स्कार्पियों वाहन

क्रमांक सीजी 15 बी 4101 में चार व्यक्ति बकरा चोरी कर भाग रहे थे जिसे हल्ला करते हुए पीछा कर पकड़ा गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 379, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। थाना भटगांव पुलिस ने बकरा चोरी करने वाले आरोपी रहिम अंसारी पिता रहमदिल उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम करवां थाना जयनगर, तुलेश्वर यादव पिता आलम साय उम्र 19 वर्ष व प्यारसाय यादव पिता सीताराम उम्र 19 वर्ष ग्राम महेशपुर, थाना जयनगर तथा 1 विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक को पकड़ा गया। जिनके निशानदेही पर चोरी का बकरा कीमत 6 हजार रूपये व परिवहन में प्रयुक्त स्कॉपियों वाहन जप्त कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक के विरूद्ध विधि अनुसार कार्यवाही की गई। कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू, एएसआई लालचंद कुजूर, प्रधान आरक्षक पूरनचंद राजवाड़े, हीरालाल बखला, रविनंद सिंह, आरक्षक संतोष जायसवाल, राधेश्याम साहू, विष्णुदत्त यादव सक्रिय रहे।

108 एम्बुलेंस को आग लगाकर जला देने वाले व्यक्ति को थाना सूरजपुर पुलिस ने पकड़ा

-संवाददाता-
सुरजपुर,23 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

पिछले सोमवार को शाहनवाज आलम ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके बाबू गैरेज चंदरपुर ढुंढरा के सामने बनने के लिए खड़ी 108 एम्बुलेंस में कोई अज्ञात व्यक्ति 17.02.24 के रात करीब 11 बजे आग लगा दिया है जिससे एम्बुलेंस जल गई है और नुकसान हुआ है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आगजनी का मामला कायम कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 435 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने आरोपी की पतासाजी कर पकड़ने के निर्देश दिए। थाना सूरजपुर पुलिस

ने विवेचना के दौरान सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर पल्लेदार तिलधारी उर्फ सोरी पिता मनबोध उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम देवनगर हाल निवासी पुराना बस स्टैण्ड सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने 108 एम्बुलेंस को आग लगाना स्वीकार किया। आरोपी द्वारा लोक सम्पत्ति को नुकसान करने पर लोक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3(2) जोड़ी जाकर उसके विरूद्ध कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, प्रधान आरक्षक विवेकानंद सिंह व अन्य सक्रिय रहे।

कोरबा सायबर सेल एवं पुलिस टीम ने लूट एवं चोरी के मामले में दोषी आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,23 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु कार्यवाही के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस. चौहान, व नेहा वर्मा के पर्यवेक्षण मे जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी के द्वारा सजग कोरबा अभियान के तहत् त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देश दिया गया है। इसी बीच दिनांक 11.03.2024 को थाना दर्री क्षेत्र के गोपालपुर शराब दुकान में लूट की घटना को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अंजाम दिया गया। एवं दिनांक 15.03.2024 को थाना उरगा अंतर्गत सहकारी बैंक बरपाली से पैसे निकालकर आते हुए प्रार्थी को अज्ञात चोरों के द्वारा उनके पास रखे हुए पैसों को चोरी कर ले गए। इतने

चाकचौबंद व्यवस्था के बावजूद इस तरह के दो वारदातों ने पुलिस विभाग के होश उड़ा दिए । जिसे पुलिस ने एक चैलेंज के तौर पर मामले को लेते हुए गहन विवेचना के दौरान आरोपी को पकड़कर पूछताछ किया गया। जिसमें इन्होने अपना अपराध स्वीकर किया एवं पूछताछ के दौरान दर्री क्षेत्र के गोपालपुर शराब दुकान मे लूट की घटना एवं थाना उरगा अंतर्गत सहकारी बैंक बरपाली के पास चोरी की घटना को हमारे द्वारा किया गया है स्वीकार किया गया। आरोपी 01. तरुण दास पिता बाला दास उम्र 19 वर्ष साकिन जामपाली थाना भोंजेनगर जिला गंजम (ओड़िसा) की पहचान कार्यवाही भी करवाया गया जिसमे आरोपियों को गोपालपुर शराब दुकान के कर्मचारियों द्वारा आरोपी को पहचाना गया। आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाए जाने पर आरोपी के विरूद्ध थाना दर्री 88/2024 धारा 458, 394 भादवि तथा थाना उरगा के अपराध क्रमांक 111/2024 धारा 379 भादवि. के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा रहा है।

कोरबा प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से निकाला फ्लैग मार्च

शांतिपूर्वक त्योहार मनाने हेतु की गई अपील

-संवाददाता-
कोरबा,23 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

होली एवं रमजान ईद त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस. चौहान व नेहा वर्मा एवं सभी राजपत्रित अधिकारियों के पर्यवेक्षण में सभी थाना/चौकी क्षेत्र में आज प्रशासन व पुलिस ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया । गुंडे तथा असामाजिक तत्वों को हतो त्साहित और जन सामान्य में सुरक्षा का बोध कराने प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना कोतवाली से लेकर शहर के मुख्य चौक चौराहे से होते हुए कोसाबाड़ी तक फ्लैग मार्च निकला गया। जिसमें जिला प्रशासन और पुलिस के तरफ से कुल 200 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया ।

इसी प्रकार थाना कटघोरा, दर्री, करतला, पाली, बांगो, दीपका क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। चार पहिया एवं दोपहिया वाहन में सवार पुलिसकर्मियों के द्वारा होली एवं शब ए बरात त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाने हेतु अपील की गई। साथ ही जिले के गली मोहल्लों एवं चौक चौराहों में पुलिस बल द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने हेतु अपील की जा रही है । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा जन सामान्य से सौहार्दपूर्ण ढंग से होलिका दहन रंग रंगोत्सव (धुलेडी) को शांति एवं भाईचारे से मनाने की अपील की गयी । कोरबा पुलिस के द्वारा होली त्योहार में लोगों से सौहार्दपूर्ण होली त्यौहार मनाने, जबरदस्ती रंग न लगाने, होली में शराब के नशे में तीन सवारी वाहन न चलने किसी प्रकार के हुड़दंग न करने की अपील की गई। कोरबा शहर में हुए फ्लैग मार्च में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अजीत बसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी नाग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस. चौहान, नेहा वर्मा, एसडीएम श्रीकांत वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविन्द्र मीना, हेडक्वार्टर डीएसपी प्रतिभा मरकाम तथा अन्य अधिकारी कर्मचारियों के साथ पुलिस व प्रशासन की टीम व सुरक्षा बलों नेछ शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में पैदल फ्लैग मार्च किया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि शांतिपूर्वक होली त्यौहार मनाने वालों के साथ पुलिस मित्र, हुड़दंग करने वाले एवं गुंडे बदमाशों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नियुक्ति के प्रस्ताव (आर.एफ.पी) के लिए अनुरोध हेतु निविदा सूचना

क्रमांक : निविदा संख्या : सी.ई.सी./बी.एस.पी./23-24/27. दिनांक 16.03.2024 (ओपेन-टेंडर)

कार्य का नाम : "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सी.ए.ओ./निर्माण कार्यालय और संबंधित कार्यालयों में सामान्य सलाहकार की नियुक्ति के प्रस्ताव (आर.एफ.पी) के लिए अनुरोध।"
निविदा मूल्य : ₹16,12,11,951.00/-।
अमानत राशि : ₹9,56,100.00/-।
निविदा दस्तावेज की लागत : शून्य।
कार्य पूरा होने की अवधि : 36 (छत्तीस) महीना, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 15.05.2024 को 15:00 बजे तक। निविदा खोलने का समय एवं दिनांक : 15.05.2024 को 15:30 बजे।
विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, पिन-495004 अथवा उपमुख्य इंजीनियर (निर्माण), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, पिन-495004 अथवा मुख्य इंजीनियर (निर्माण-III)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, पिन-495004 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागज़ात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।
उप मुख्य अभियंता/निर्माण/कार्य-II
सीपीआर/10/484 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

R.O.No.1805
Date: 23.03.2024

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशिष कुमार गुप्ता पिता विजय कुमार गुप्ता जाति सौण्डिक निवासी शारदापुर तहसील वाड़फनगर जिला बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 2092/6 रकबा 0.010 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,नक्शा , अधिकार अभिलेख,ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस नयायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 08/04/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरदार हरपाल सिंह बाबरा आ0 तेजपाल सिंह बाबरा निवासी नमनाकला थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 03 स्थित नजूल प्लाट नंबर 1163/27 रकबा 440 वर्गफीट भूमि को अनावेदिका/क्रेता ज्योति सोनी पत्नी मुकेश सोनी जाति सोनार निवासी वार्ड नम्बर-39 बरेजपारा अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित आवेदन पेश किया गया है।

उक्त भूखण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/04/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/03/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202402021200/अ-6
2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रूपा गुप्ता पत्नी दीपक गुप्ता, निवासी-गांधीनगर, पानी टंकी के पास, गोधनपुर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा कथन किया गया है, कि नगर-अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं0-10, मोहल्ला-दर्रीपारा, नगर-अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 3839/3 रकबा 0.06 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01/03/2024 के माध्यम से आवेदिका द्वारा अनावेदक- पंकज कुमार ठाकुर आ0 मनोज ठाकुर, निवासी-महामाया मंदिर प्रवेश द्वार के पास, अम्बिकापुर से क्रय किया गया है।अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 01/03/2024 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बावत आवेदिका द्वारा आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/04/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/03/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

सीएसके ने पहले मैच में आरसीबी को 6 विकेट से हराया

» आरसीबी का मिडिल ऑर्डर फ्लॉप
» मुस्तफिजुर ने झटके 4 विकेट
» रचिन की विस्फोटक शुरुआत

चेन्नई,23 मार्च 2024। 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन का आगाज जीत से किया। नए कप्तान ऋतुराज गायकवाड की लीडरशिप में उतरी सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में शुक्रवार रात आरसीबी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। अनुज रावत ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। विराट कोहली 20 बॉल पर 21 रन ही बना सके। मुस्तफिजुर रहमान ने 4 विकेट लिए। जवाब में चेन्नई ने 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। शिवम दुबे (34) और रवींद्र जडेजा (25) ने 5वें विकेट के लिए नाबाद 66 रन जोड़े।

जीत के हीरो लेफ्ट आर्म पेसर मुस्तफिजुर रहमान रहे। उन्होंने 29 रन देकर 4 विकेट झटके। रहमान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

आरसीबी की हार के कारण

विराट की धीमी बल्लेबाजी:- पारी का आगाज करने उतरे विराट कोहली ने चेन्नई के खिलाफ काफी धीमी पारी खेली। उन्होंने 105.00 की स्ट्राइक रेट से 20 बॉल पर 21 रन बनाए। कोहली के जोड़ीदार फाफ डु प्लेसिस तेजी से रन बनाते रहे और चौथे ओवर की तीसरी बॉल पर 23 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन टीम का स्कोर एक विकेट पर 41 रन तक ही पहुंचा सके।

37 रन बनाने में गंवा दिए 5 विकेट

फाफ के आउट होने के बाद भी कोहली ने जिम्मेदारी नहीं उठा सके। दूसरे छोर से रजत पाटीदार और ग्लेन मैक्सवेल खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। कैमरन ग्रीन भी 22 बॉल पर 18 रन की बना सके। 41 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद आरसीबी ने अगले 5 विकेट 37 रन बनाने में गंवाए। एक समय टीम का स्कोर 78/5 रहा।

मुस्तफिजुर की शानदार गेंदबाजी सीएसके के लेफ्टी पेसर मुस्तफिजुर रहमान ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने फाफ, कोहली और पाटीदार के विकेट लेकर

आरसीबी को बैकफुट पर ला दिया। रहमान ने अपने कोटे के चार ओवर में 29 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। मिडिल ऑर्डर में दिनेश कार्तिक और अनुज रावत ने स्कोर 173 रन तक पहुंचाया, लेकिन गेंदबाज स्कोर डिफेंड नहीं कर सके।

डेब्यू मैच में रचिन की विस्फोस्ट शुरुआत

ओपनर रचिन रवींद्र ने 174 रन का टारगेट चेज करने उतरी सीएसके को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। उन्होंने 15 बॉल पर 246.67 के स्ट्राइक रेट से 37 रन बनाए। इस पारी में 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इस पारी की बदौलत टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 62/1 रन बना लिए थे।

जडेजा-दुबे की साझेदारी:-110 रन पर चौथा विकेट गंवाने के बाद शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 5वें विकेट के लिए 37 बॉल पर नाबाद 66 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने सीएसके को पहली जीत दिला दी।

रचिन-गायकवाड की तेज शुरुआत, दुबे-जडेजा ने जिताया

ओपनर रचिन रवींद्र और कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 174 रन का टारगेट चेज कर रही छ्स्य की जीत की नींव रखी। दोनों ने 24 बॉल पर 38 रन की ओपनिंग साझेदारी की। यहां गायकवाड (15 रन) के आउट होने के बाद अजिंक्य रहाणे (19 बॉल पर 27 रन) ने तेजी से रन बनाए।

71 रन के स्कोर पर सीएसके ने रचिन रवींद्र का विकेट गंवाया। उन्हें कर्ण शर्मा ने रजत पाटीदार के हाथों कैच कराया। फिर रहाणे 99 रन पर कैमरन ग्रीन का शिकार बने। रवींद्र की जगह उतरे डेरिल मिचेल ने 18 बॉल पर 22 रन का योगदान दिया और स्कोर 100 पार पहुंचा दिया। लेकिन 110 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गए। रहाणे के आउट होने के बाद खेलने उतरे शिवम दुबे ने रवींद्र जडेजा के साथ 37 बॉल पर नाबाद 66 रनों की साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। कैमरन ग्रीन को 2 विकेट मिले। यश दयाल और कर्ण शर्मा के हिस्से में एक-एक विकेट आया।

कार्तिक-रावत की साझेदारी ने आरसीबी को 173 रन तक पहुंचाया

टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरे आरसीबी के कप्तान काफ डु प्लेसिस ने तेजी से रन बनाए, लेकिन ज्यादा देर तक बल्लेबाजी नहीं कर सके। टीम ने पावरप्ले के अंदर तीन विकेट गंवा दिए थे। एक समय टीम का स्कोर 78/5 था, यहां दिनेश कार्तिक और अनुज रावत ने 50 बॉल पर 95 रन की साझेदारी करके टीम को फाइटिंग टोटल तक पहुंचाया।

बीच में रजत पाटीदार और ग्लेन मैक्सवेल खाता नहीं खोल सके और कैमरन ग्रीन ने 22 बॉल पर 18 रन बनाए। छ्स्य की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने 4 विकेट झटके। दीपक चाहर को एक सफलता मिली।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), रचिन रवींद्र, अजिंक्य रहाणे, डेरिल मिचेल, रवींद्र जडेजा, समीर रिजवी, एमएस धोनी (विकेटकीपर), दीपक चाहर, महेश तीक्षणा, मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), अनुज रावत, कर्ण शर्मा, अल्जारी जोसेफ, मयंक डागर और मोहम्मद सिराज।

संक्षिप्त खेल समाचार

रॉबिन उथप्पा ने धोनी की तुलना रोजर फेडरर से की

नईदिल्ली,23 मार्च 2024। नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने एमएस धोनी की जमकर तारीफ की, जब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की पारी की आखिरी गेंद पर विकेट के पीछे से शानदार रन आउट किया।धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के उद्घाटन मैच में अनुज रावत को रन आउट किया। 43 वर्षीय क्रिकेटर ने संदेह को खारिज कर दिया और आईपीएल 2023 सीजन के बाद घुटने की सर्जरी के बावजूद अपनी स्थायी फिटनेस और चपलता से सबको चकित कर दिया।रॉबिन उथप्पा ने कई लोगों की भावनाओं को दोहराया, धोनी के समर्पण पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए, उनकी कार्य नीति की तुलना टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर से की।

सब जूनियर नेशनल प्री-क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड

नई दिल्ली,23 मार्च 2024। आदित्य मेहरा ने उत्तराखंड के चार अन्य मुक्केबाजों के साथ और आरती कुमार ने दिल्ली के छह मुक्केबाजों के साथ ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीसरी सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के चौथे दिन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लड़कों के वर्ग में उत्तराखंड का दबदबा रहा और पांच में से चार मुक्केबाजों ने आरएससी निर्णय के साथ अपने-अपने मुकाबले जीते।आदित्य मेहरा (35 किग्रा) ने हरियाणा के अंश के खिलाफ आसान जीत दर्ज की, रेफरी ने पहले राउंड में मुकाबला रोककर उत्तराखंड को सही शुरुआत दी। प्रथम चंद (40 किग्रा) ने मध्य प्रदेश के खुशदीप को हराकर 5-0 से जीत हासिल की।प्रज्वल सिंह भंडारी (49 किग्रा), नातियाक प्रसाद (58 किग्रा) और यश कापड़ी (70+ किग्रा) की तिकड़ी ने उत्तराखंड के लिए गति जारी रखी और पहले दौर में ही आरएससी निर्णय के साथ अपने मुकाबले जीत लिए।

मुझे लगता है कि गायकवाड़ की कप्तानी बहुत प्रभावशाली थी

नईदिल्ली,23 मार्च 2024। पूर्व भारतीय क्रिकेट दिग्गज सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी की शुरुआत की सराहना की, और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के शुरुआती मैच में उनके शानदार गेंदबाजी बदलाव को श्रेय दिया। मुस्तफिजुर रहमान ने सीएसके के लिए अपने पदार्पण मैच में शानदार प्रदर्शन किया और अपने स्पैल की पहली दस गेंदों में चार विकेट लेकर आरसीबी के शीर्ष बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। सीएसके ने आरसीबी को 20 ओवर में 173 रन पर रोकने के बाद छह विकेट से हरा दिया।

गायकवाड़ का रणनीतिक कौशल चमक गया क्योंकि उन्होंने अपने गेंदबाजों का चतुराई से उपयोग किया, विशेष रूप से मुस्तफिजुर रहमान को सटीकता के साथ तैनात किया और मैच के महत्वपूर्ण चरण के दौरान तुषार देशपांडे पर विश्वास बनाए रखा। गावस्कर ने गायकवाड़ के धैर्य और निर्णय लेने की क्षमता की सराहना की और युवा कप्तान के मार्गदर्शन में अनुभवी एमएस धोनी के प्रभाव पर प्रकाश डाला। गावस्कर ने कहा,÷बिल्कुल! एक कप्तान के तौर पर आपका डेब्यू काफी अहम हो जाता है। आप जीत के साथ अपने कप्तानी करियर की अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं और वैसा ही हुआ। जो बात प्रभावशाली थी वह था उनका गेंदबाजी में बदलाव। जिस तरह से उन्होंने मुस्तफिजुर का इस्तेमाल किया वह बिल्कुल शानदार था। उन्होंने कहा, वह अंतिम ओवर के लिए तुषार देशपांडे पर भरोसा रखते हुए, दीपक चाहर की जगह लेते रहे। मुझे लगता है कि यह देखते हुए कि तुषार देशपांडे के ओवर में 25 रन पड़े, किसी अन्य गेंदबाज का उपयोग करने का अवसर था, लेकिन वह फिर भी तुषार

देशपांडे पर अड़ा रहा, और देशपांडे ने शानदार अंतिम ओवर के साथ जवाब दिया। तो, हाँ, मुझे लगता है कि कप्तानी सबसे प्रभावशाली थी। और हम यहां देखते हैं, निश्चित रूप से, उनके मार्गदर्शन के लिए उनके आसपास एमएस धोनी हैं। शॉर्ट गेंदों को नियोजित करने की आरसीबी की आक्रामक रणनीति के बावजूद, गावस्कर ने इसकी एक-आयामी प्रकृति पर ध्यान दिया, यह सुझाव देते हुए कि उनके दृष्टिकोण में भिन्नता की कमी महंगी साबित हुई। हर तरह से शॉर्ट बॉल आज़माएं, लेकिन जब यह काम नहीं कर रही थी... तो ऐसा लगा कि वे बस यही करना चाह रहे थे। आपके पास डागर जैसा कोई था, जिसने 6 छह रन देकर 2 ओवर फेंके थे। मैं जानता हूं कि बाएं हाथ के स्पिनर को 6 रन के लिए कैसे चुना जा सकता है, लेकिन आपको एक मौका लेना होगा। जो कुछ उन्होंने किया, जोसेफ, ग्रीन, सिराज, हर कोई संक्षेप में बताता है। गावस्कर ने कहा,÷क्या हो रहा था कि यदि आपको बाउंसर सही से नहीं मिलती है, तो आप इसे वाइड दे देंगे, जिसका मतलब है कि आप एक अतिरिक्त रन दे रहे हैं, आप एक अतिरिक्त डिलीवरी करने जा रहे हैं। तो, आपका बाउंसर बहुत सटीक होना चाहिए, और ऐसा नहीं था। वह एक-आयामी रणनीति वास्तव में निराशाजनक थी। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ ने कहा कि सीएसके ने अपने घरेलू फायदे का फायदा उठाया, आरसीबी की बल्लेबाजी लाइनअप को प्रभावी ढंग से दबाव में रखा और पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। मुस्तफिजुर रहमान के शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ पूरी सीएसके टीम के योगदान ने येलो आर्मी के लिए व्यापक जीत सुनिश्चित की।मुझे लगता है कि यह शायद चेन्नई के लिए एक आदर्श शुरुआत है।

ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री: वेरस्टैपेन ने पोल पोजीशन हासिल की,हैमिल्टन 11वें स्थान पर

मेलबर्न,23 मार्च 2024। रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री के लिए एक रोमांचक क्वालीफाइंग सत्र में फेरारी के कार्लोस सैन्ज़ की कड़ी चुनौती का सामना करने के बाद पोल पोजीशन हासिल करते हुए, व्हील के पीछे अपनी महारत का प्रदर्शन किया।

सैन्ज़ ने उल्लेखनीय लचीलेपन और गति का प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाइंग के शुरुआती चरणों में अपना दबदबा बनाया और पहले दो भागों में गति निर्धारित की। हालाँकि, वेरस्टैपेन ने अपनी चैम्पियनशिप-विजेता वंशावली का प्रदर्शन किया, अंतिम शूटआउट में दो त्रुटिहीन लैप्स देकर 0.27 सेकंड के कमांडिंग अंतर से पोल पोजीशन छीन ली।

अंतिम सत्र में वेरस्टैपेन के आखिरी दो बेहतरीन लैप फेरारी के लिए बहुत अच्छे थे क्योंकि डचमैन ने इस सीजन में लगातार

तीसरी पोल पोजीशन हासिल की, एक बार उन्होंने अपने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग 2023 की तुलना में और भी अधिक प्रभावशाली शैली में शुरुआत की है।वेरस्टैपेन की टीम के साथी सर्जियो पेरेज़ ने ग्रिड पर तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि फेरारी के चार्ल्स लेक्लर और मैकलेरन के लैंडो नॉरिस शीर्ष पांच में रहे। नॉरिस का चौथा स्थान मैकलारेन का एक साल का सर्वश्रेष्ठ परिणाम था, क्योंकि उनकी शुरुआत उम्मीद से थोड़ी पीछे थी। सऊदी अरब में पिछली दौड़ में कठिनाइयों के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक चुनौतीपूर्ण सप्ताहांत को सहते हुए मर्सिडीज ने गति के लिए संघर्ष करना जारी रखा। कार के प्रदर्शन से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के उनके प्रयासों के बावजूद, जॉर्ज रसेल और लुईस हैमिल्टन दोनों को क्वालीफाइंग दौर में निराशा का सामना करना पड़ा।

रसेल, जिन्होंने पिछले साल की दौड़ में वेरस्टैपेन के साथ अग्रिम पंक्ति में शुरुआत की थी, इस बार खुद को 0.8 सेकंड से अधिक पीछे पाया।

इस बीच, सात बार के विश्व चैंपियन हैमिल्टन शीर्ष 10 में जगह बनाने में असफल रहे और अपने साथी खिलाड़ी से मामूली अंतर से हार गए।

सत्र का असाधारण प्रदर्शन सैंज का रहा, जिन्होंने एपेंडिसाइटिस सर्जरी के सिर्फ 15 दिन बाद बाधाओं को मात दी। शारीरिक असफलता के बावजूद, सैंज ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए एक उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें वेरस्टैपेन के साथ अग्रिम पंक्ति में शुरुआत मिली।

सबालेंका और गॉफ मियामी ओपन के तीसरे दौर में

मियामी,23 मार्च 2024। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने लचीलेपन और फोकस का प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन में पाउला बडोसा पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ तीसरे दौर में अपनी जगह पक्की की। बडोसा में एक दृढ़ प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, सबालेंका को शुरुआती सेट में प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अपनी ट्रेडमार्क दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने बडोसा की सर्विस तोड़कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। पहले सेट में, बडोसा ने बहादुरी से संघर्ष किया और सबालेंका के खिलाफ दो ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए उल्लेखनीय ताकत का प्रदर्शन किया और 3-2 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने आखिरकार स्पैनियार्ड की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त ले ली, लेकिन 4-5 से पिछड़ने के बाद अविश्वसनीय पकड़ बनाते हुए सबालेंका से दो सेट प्वाइंट छीन लिए। अपने चौथे सेट प्वाइंट के बाद, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन 1-0 से आगे हो गई। मैच में बने रहने के लिए बडोसा के साहसिक प्रयासों के बावजूद, सबालेंका का दबदबा कायम रहा क्योंकि उन्होंने पहला सेट जीत लिया और दूसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए अपनी लय बरकरार रखी।

पाउला बडोसा पर जीत के साथ, सबालेंका के पास अब 2023 की शुरुआत से 25 डब्ल्यूटीए-1000 मैच जीत हैं, वह इगा स्वीयाटेक (40), एलेना रिबाकिना (34) और कोको गॉफ (26) के बाद ऐसा करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका की जीत से अनहेलिना कलिनिना के खिलाफ तीसरे दौर का दिलचस्प मुकाबला तय हो गया है। इस बीच, एक अन्य कोर्ट पर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ ने नादिया पोडोरोस्का के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। गॉफ की अथक आक्रामकता और सटीकता ने उन्हें 6-1, 6-2 से शानदार जीत दिलाई। गॉफ का तीसरे दौर में ओसियाना डोडिन के खिलाफ मुकाबला होगा।

विद्या बालन की दो और दो प्यार का टीजर जारी

19 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

विद्या बालन एक बार फिर अपना दिलचस्प अंदाज लेकर दर्शकों के सामने हाजिर होने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। इस बार उन्हें दो और दो प्यार में देखा जाने वाला है. इसी के साथ अब मेकर्स ने फिल्म का शानदार टीजर भी जारी कर दिया है। फिल्म में विद्या बालन के साथ प्रतिक गांधी,इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति जैसे सितारे भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं। चलिए जानते हैं कैसा है फिल्म का टीजर.दो और दो प्यार के टीजर की शुरुआत होती है विद्या और प्रतिक गांधी के साथ, जो सोफे पर बैठकर अपना-अपना पेट भर रहे हैं। यहां प्रतीक, विद्या को आइसक्रीम ऑफर करते हैं तो विद्या कहती हैं कि वो वीगन है,मिल्क प्रोडक्ट्स नहीं खा सकतीं. ऐसे में प्रतीक कहते हैं कि उनके फेसवॉश में भी मिल्क है। प्रतीक और विद्या मैरिड कपल की भूमिका निभा रहे हैं। विद्या और प्रतीक के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर भी चल रहा है। एक तरफ जहां प्रतीक और इलियाना की कहानी चलती है, वहीं, विद्या और सेंधिल का भी अलग ट्रैक चल रहा है।कुल मिलाकर कहा जाए तो दो और दो प्यार का टीजर काफी एंटरटेनिंग है। इसमें कपल के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में विद्या बालन को काफी बोल्ड अंदाज में दिखाया गया है। दूसरी ओर प्रतीक गांधी भी अपने नए अंदाज से हैरान कर रहे हैं।शीर्षा गुहा ठाकुरता के निर्देशन में बनी फिल्म दो और दो प्यार अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित की गई है। बताया जा रहा है कि 2017 में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म द लवर्स की कहानी पर आधारित है. इसे 19 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाने वाला है।

रकुल प्रीत सिंह ने स्टायलिश आउटफिट पहन गिराई बिजली

हाल ही में जैकी भगनानी के साथ शादी के बंधन में बंधीं रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी छाई हुई हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका नया सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह ब्लैक एंड व्हाइट कलर के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनके बाल खुले हुए हैं और उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में रकुल काफी रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास साफ़ झलक रहा है। शादी के बाद यह रकुल का नया लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कुछ ही घंटों में उनकी इन तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, शादी के बाद और भी ज्यादा खूबसूरत लग रही हो रकुल! वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, ये सिंपल और स्टाइलिश लुक कमाल का है रकुल। बता दें कि रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस से जुड़ी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने लकमे फैशन वीक के इवेंट में शिरकत की और रैंप वॉक किया।

हो जाएं तैयार मस्ती 4 के लिए

रितेश देशमुख,विवेक ओबेरॉय और आफताब आए साथ

आने वाले दिनों में कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच आने वाले हैं और अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। दरअसल, मस्ती 4 का ऐलान कर दिया गया है। इसके लिए रितेश देशमुख, आफताब और विवेक ओबेरॉय की दमदार तिकड़ी पर्दे पर वापसी कर रही है।फिल्म के पोस्टर के साथ चौथी किस्त का ऐलान कर दिया गया है, जिसे देख मस्ती फ्रैंचाइजी के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है।विवेक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा, हम दोबारा पुराना धमाका करने के लिए तैयार हैं। अपने आप को तैयार रखें और अपनी सांसें थाम लीजिए, क्योंकि हम मस्ती 4 के फिर वापस आ रहे हैं। जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाले हैं। हम इस रोमांचक और मस्ती से भरे सफर के लिए उत्साहित हैं।उन्होंने पोस्ट में यह भी बताया कि मिलाप जावेरी इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान संभालेंगे।बता दें कि मस्ती एक सेक्स कॉमेडी फिल्म सीरीज है। इस बार फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी मिलाप को सौंपी गई है। पहले वह इस सीरीज से बतौर लेखक जुड़े हुए थे।मस्ती फ्रैंचाइजी के निर्देशक इंद्र कुमार थे, जो अब बतौर निर्माता इसमें अपनी भागीदारी देंगे। एकता कपूर भी फ्रैंचाइजी के निर्माताओं में से एक थी, लेकिन चौथे भाग से वह नहीं जुड़ी हैं।ए झुनझुनवाला, एस.के. अहलूवालिया और अशोक ठकेरिया भी फिल्म के सह-निर्माण में शामिल होंगे।इस सीरीज की पहली फिल्म मस्ती 2004 में रिलीज हुई थी। 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 34 करोड़ रुपये कमाए थे।फिर 2013 में आई ग्रैंड मस्ती, जो 34 करोड़ रुपये की लागत से बनी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया।तीसरी किस्त ग्रेट ग्रैंड मस्ती 2016 में आई थी। हालांकि, 50 करोड़ रुपये में यह फिल्म महज 19 करोड़ रुपये बटोर पाई थी।रितेश जल्द ही अजय देवगन अभिनीत फिल्म रेड 2 में दिखेंगे। इसमें वह विलेन बने हैं, वहीं वेड के बाद वह छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्देशन भी करने वाले हैं।विवेक को पिछली बार इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था। हालांकि, मस्ती के अलावा उनकी दूसरी फिल्म का ऐलान अभी नहीं हुआ है।उधर आफताब आखिरी बार ग्रेट ग्रैंड मस्ती में दिखे थे। उसके बाद वह एकाध साउथ की फिल्मों में नजर आए।

संक्षिप्त खबरें

सीएम विष्णुदेव साय ने अपना यूट्यूब चैनल किया लॉन्च

रायपुर,23 मार्च 2024(ए)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अधिकारिक यूट्यूब चैनल लांच हो चुका है। सीएम साय ने मुख्यमंत्री निवास से अपना यूट्यूब चैनल लांच किया। जिसमें पहला वीडियो होली की बधाई वाला फाग गीत अपलोड किया गया। सीएम साय ने ट्वीट कर बताया कि प्रदेश की 3 करोड़ जनता से जुड़ाव और हमारे सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं और समसामयिक क्रियाकलापों की जानकारी सीधे उन्हें मिल सकेगा, इसलिए अपना यूट्यूब चैनल लांच किया है। इसके माध्यम से प्रदेश की जनता मुझसे जुड़ सकती है।

सीएम ने कहा भ्रष्टाचार के सरगना है भूपेश बघेल

महादेव एप मामले में दर्ज हो गई है एफआईआर,पाक साफ है तो क्यों डर रहे पूर्व सीएम

जगदलपुर,23 मार्च 2024 (ए)। बस्तर के बकावंड में सीएम विष्णुदेव साय ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा,देश के प्रधानमंत्री की गारंटी पर आप सभी ने विश्वास जताया और विधानभा जिताया। एक इंजन तो आपने बना दिया दूसरा इंजन भी बनाना है। तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए महेश कश्यप को सांसद बनाकर भेजना होगा।

साय ने कहा, 5 साल कांग्रेस की सरकार रही, 36 वादे किए थे, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। यही वजह है कि विधानभा चुनाव में परिणाम मिला। पिछले चुनाव में हम बस्तर में पिछड़ गए थे, लेकिन इस बार कांग्रेस को उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस लगातार भ्रष्टाचार की है, उनके कितने नेता जेल में है। मुखिया भूपेश बघेल भ्रष्टाचार का सरगना थे, उन पर भी महादेव एप मामले में एफआईआर दर्ज हो गया है। जब पाक साफ है तो भूपेश बघेल

को डरना नहीं चाहिए। चोर के दाढ़ी में तिनका, लोग कहते हैं कि इनका पूरी की पूरी डाल काली है। सीएम साय ने कहा, शराब घोटाले में एक अंदर गए,छत्तीसगढ़ में भी शराब घोटाला हुआ है,अलग अलग शराब के काउंटर लगते थे,अलग अलग पैसे भेजे जाते थे। कांग्रेस की हालत ऐसी है कि मिला हुआ टिकट वापस कर रहे हैं। कांग्रेस के लोगों का लाइन लगा है कि हमको भी भाजपा में प्रवेश करवा लो। मोदी की गारंटी में आप विश्वास किए और 100 दिन के सरकार में हमने गारंटी पूरी की है। 145 मेट्रिक टन धान भाजपा सरकार ने खरीदा है. इससे पहले कभी खरीदी नहीं हुआ। 70 लाख से ज्यादा माताओं के खातों में पैसा डाला गया। हर महीने के पहले सप्ताह में ही महतारी वदन योजना का पैसा चला जाएगा।

कांग्रेस के बड़े नेता समेत 80 लोग बीजेपी में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव के लिए बस्तर लोकसभा सीट पर सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा ने यहां प्रत्याशी घोषित कर जोरों-शोरों से प्रचार प्रचार कर रही है। सीएम साय सहित अन्य नेता लगातार चुनावी सभा कर रहे हैं। शनिवार को सीएम साय ने बकावंड़ के किंजोली में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कई कांग्रेस नेताओं ने भाजपा का दामन भी थामा। सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस डूबती नाव है। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार ने लोगों को परेशान किया। पहले छत्तीसगढ़ में भूपेश टैक्स लगता था, अब आलम यह है कि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव लड़ने प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। बीजेपी सरकार ने मोदी की गारंटी पर काम किया है, जल्द ही बाकी बची घोषणाओं को भी पूरा किया जाएगा। बकावंड़ के किंजोली में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कई नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। बीजेपी ज्वाइन करने वाले नेताओं ने अमरनाथ मौर्य भी शामिल है। उन्हें स्थानीय राजनीति का बड़ा चेहरा माना जाता है। इसके अलावा 5 जनपद सदस्य के साथ-साथ 80 लोग भाजपा में शामिल हुए। सभी ने सीएम साय के सामने सदस्यता ली।

यात्रियों से दोगुना किराया वसूल रहीं ट्रेवल एजेंसी

रायपुर,23 मार्च 2024(ए)। अपनों के साथ होली खेलने की आस में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की खूब भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को स्टेशनों पर भारी भीड़ देखने को मिली। बसों में होली को लेकर दो दिनों से यात्रियों की इतनी भीड़ है कि इसके लिए बस संचालक स्टूल की व्यवस्था कर रहे हैं। भाठागांव बस स्टैंड से बिहार,झारखंड राज्य की ओर जाने वाली अधिकांश यात्री बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर अधिक यात्रियों को ले जाने के लिए बसों में दोनों साइड की सीटों वाली एरिया के बीच बची गैप में स्टूल लगाया जाएगा। होली में अपने घर पटना जाने को बेताब यात्री सुनील यादव ने बताया कि को ट्रेन व बस में कंफर्म सीट नहीं मिल रही है। अपने बच्चों व माता-पिता के साथ उन्हें होली की खुशियां बांटनी है, जिसके लिए उन्होंने ट्रेवल एजेंसी से संपर्क साधा, लेकिन कैब के लिए मनमाना किराया एजेंसी वाले मांग रहे हैं। मजबूरी में आखिरकार सुनील को बस में दो गुना किराया देना पड़ा।

इन शहरों में जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक

भीड़ को देखते हुए बस आपरेटर रायपुर से लखनऊ और वाराणसी का किराया 1300 से 1500 रुपए, पटना और बोधगया का 1800 से 2000 रुपए,सासाराम का 1000 से 1400 रुपए, रांची,भुवनेश्वर, जगन्नाथपुरी का 1500 से 1800 रुपए और संबलपुर का किराया प्रति व्यक्ति 400 से 700 रुपए वसूल रहे। यहीं नहीं जैसे-जैसे यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है,उसे देखते हुए एजेंट मनमाना किराया तय करके पैसे ले रहे है।रायपुर से गढ़वा, रेहला, डाल्टेनगंज, रांची, पटना, गया, भागलपुर, बिहार शरीफ,औरंगाबाद, शेरघाटी, रानीगंज, डोभी, शेखपुरा, बरबिघा, नवादा आदि जगहों पर जाने सबसे अधिक यात्री बस स्टैंड पहुंच रहे हैं। यात्रियों ने बताया कि ट्रेनों में भी इन जगहों पर जाने के लिए लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

जगदलपुर में इस बार 100 नए केंद्रों में होगा मतदान

नक्सली इलाकों में बने 90 से ज्यादा सुरक्षा कैंप

जगदलपुर,23 मार्च 2024 (ए)। नक्सली प्रभावित बस्तर में मतदान कराना चुनाव आयोग के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है। नक्सली न सिर्फ मतदान को बधित करने का प्रयास करते हैं, बल्कि हिंसक घटनाओं को भी अंजाम देते हैं। नक्सली किस हद तक जा सकते हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान से दो दिन पहले नक्सलियों ने विस्फोट कर भाजपा विधायक भीमा मंडावी की हत्या कर दी थी।

यह धमाका दंतेवाड़ा के श्यामगिरी के पास हुआ था, विस्फोट इतना भीषण था कि विधायक भीमा मंडावी की बुलेट प्रूफ गाड़ी के परखच्चे उड़ गए थे। अब पांच वर्ष बाद फिर से बस्तर में लोकसभा चुनाव होने हैं। यहां पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। हालांकि पांच साल में यहां परिस्थितियों में काफी बदलाव आया है।

लखमा परिवार को टिकट मिलने की चर्चा के बीच दीपक बैज का बड़ा बयान

रायपुर,23 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी उठापटक शुरू हो गई है। एक दूसरे की खामियों और कार्यों को लेकर राजनीतिक घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने चेकिंग के दौरान पकड़ी जा रही शराब, कपड़े और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। दीपक बैज ने कहा कि यहां बीजेपी की सरकार है फिर आप सोच सकते हैं कि यह सब कौन बांट रहा है। जबकि कांग्रेस और दूसरी पार्टियों के अकाउंट फ्रीज किए

जा रहे है। बीजेपी का भी अकाउंट फ्रीज करना चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार नहीं चाहती कि कांग्रेस लोकसभा का चुनाव लड़े, इसलिए लगातार हमारी पार्टी को फाइनेंशियली कमजोर किया जा रहा है। खाते फ्रीज करना कांग्रेस के खिलाफ आपराधिक साजिश है। इस तरह किसी राजनीतिक दल को असहाय बनाकर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। लोकसभा चुनाव में लखमा परिवार को टिकट मिलने की चर्चा पर पीसीसी चीफ बैज ने कहा कि लखमा हमारे वरिष्ठ है और हम उनके साथ हैं, जिसे भी मौका मिले सब मिलकर लड़ेंगे। उम्मीदवारों की नाम की घोषणा को लेकर दीपक बैज ने कहा कि नामांकन के लिए समय कम है मुझे लगता है होली के पहले नाम आ जायेंगे।

2 नक्सली मारे गए बीजापुर-सुकमा बॉर्डर में,एसपी ने की पुष्टि

रायपुर,23 मार्च 2024(ए)। बीजापुर-सुकमा सीमा पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। अफसरों ने इसकी पुष्टि की है। वही दंतेवाड़ा में डीआरजी जवान

प्रेशर आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए हैं। घायल जवानों को इलाज के लिए रायपुर लाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, डीआरजी के जवानों की टीम के साथ अरनपुर जगरगुंडा रोड पर सड़क सुरक्षा में निकले थे। इस दौरान नक्सलियों के लगाए आईईडी में ब्लास्ट हो गया। इस ब्लास्ट में जवान राजेश मरकाम और विकास कर्मा घायल हो गए। दोनों घायल जवानों को एमआई 17 हेलीकॉप्टर से रायपुर लाया गया और देवेंद्र नगर में स्थित नारायणा अस्पताल में उनका इलाज जारी है। बता दें कि दोनों जवान बस्तर फाइटर ग्रूप के जवान है।

पुलिस अधिकारी मिला नशे में धुत्त

बीजापुर,23 मार्च 2024(ए)। बीजापुर जिला मुख्यालय में चुनाव ड्यूटी में लगे एक एएसआई का शराब के नशे में धुत होकर गाली-गलौच करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करीब डेढ़ मिनट के वीडियो में शराबी एएसआई राहगीरों के साथ बदतमीजी कर रहा है। साथ ही वीडियो में कहता दिख रहा है कि, अभी आचार संहिता चल रही है। कोई नेतागिरी नहीं चलेगी। वीडियो वायरल होने के बाद जिले के एसपी ने एएसआई को निलंबित कर दिया है। दरअसल एएसआई का नाम सोमनाथ ठाकुर है, जो बीजापुर के सिटी कोतवाली में पदस्थ है। अचार संहिता को देखते हुए एसपी कार्यालय के पास चेकपोस्ट बनाया गया है,

जहां इसकी नाइट ड्यूटी लगाई गई थी। वहीं देर रात चेकपोस्ट पर जब वाहनें पहुंची तो एएसआई ने वाहनों को रुकवाया। उसमें बैठे लोगों से चैकिंग के नाम पर गाली-गलौच की। साथ ही आचार संहिता चल रही है, यहां महेश गागड़ा की भी नहीं चलेगी। नेतागिरी नहीं चलेगी। चलेगी तो सिर्फ पुलिस की, कहकर धमकाने लगा। वीडियो वायरल होने के बाद जब मामला बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव के पास पहुंचा तो उन्होंने इसकी जांच करवाई। जिसमें तथ्य सही पाए गए। जिसके बाद एसपी ने एएसआई को निलंबित कर दिया। एसपी जितेंद्र यादव ने कहा कि, ड्यूटी के दौरान शराब पीकर इस तरह की करतूत करना यह गलत है। मामला पता चलते ही कार्रवाई की गई है।

अरुण सिसोदिया ने मांगी सुरक्षा

दुर्ग,23 मार्च 2024(ए)। कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष पर पत्र के माध्यम से पैसों के हेराफेरी का आरोप लगाने वाले अरुण सिसोदिया ने अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस को आवेदन दिया है। वहीं उनकी धर्मपत्नी ने भी सुरक्षा की मांग

के साथ साथ कांग्रेस के आला नेताओं को आड़े हाथ लिया है। पार्टी और पार्टी नेताओं पर तमाम आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेताओं को अब सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। वहीं अब पुलिस सुरक्षा की मांग के आवेदन पर तस्दीक करने के पश्चात ही सुरक्षा प्रदान करने की बात कह रही है। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ कांग्रेस में सिर फुटौव्वल शुरू हो गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व महासचिव अरुण सिसोदिया ने पार्टी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे विनोद वर्मा पर 5 करोड़ 89 लाख की राशि के गबन का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता अरुण सिसोदिया ने इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखा था।

आयकर विभाग के छापे में 3 करोड़ से ज्यादा की रकम सीज की

रायपुर,23 मार्च 2024(ए)। बीते दिनों प्रदेश के कई ठिकानों में आयकर विभाग की रेड पड़ी, जिसके बाद खबरों के अनुसार फाइनेंसर और रियल इस्टेट कारोबारियों के ठिकानों से मिले कैश में से 3.20 करोड़ रुपए कैश सीज कर लिया है। इसके साथ ही टीम को रायपुर-राजनांदगांव में चल रही जांच में प्रॉपर्टी में निवेश के ढेरों दस्तावेज के साथ करोड़ों के दस्तावेज मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। आयकर विभाग की कार्रवाई अभी भी जारी है।

दरअसल, प्रदेश के अलग अलग जिलों में पड़ी आयकर की रेड में जांच अभी भी जारी है। जहां कैश को जब्त कर लिया गया है। वहीं, बताया जा रहा है कि ज्वेलरी का मूल्यांकन किया गया है। जिसमें राजनांदगांव के आवासीय परिसर से करीब तीन किलो ज्वेलरी मिली है जिसका मूल्यांकन कराया जा रहा है। अधिकांश ज्वेलरी बुक्स के रिकार्ड में दर्ज है इसलिए फिलहाल ज्वेलरी सीज नहीं की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का लिया गया बैकअप

फाइनेंसर और रियल इस्टेट कारोबारियों के पास उपलब्ध मोबाइल-लैपटॉप के डेटा का डिजिटल बैकअप ले लिया गया है। इनका मिलान आयकर रिटर्न और संचालकों के बयान से किया जाएगा। जांच में मिले दस्तावेज के आधार पर संचालकों का बयान लिया जा रहा है। बता दें कि आयकर अन्वेषण की 50 सदस्यीय टीम ने राजधानी रायपुर में प्रकाश लूलिया, चंद्रकुमार अग्रवाल एवं राजनांदगांव में संजय शर्मा के 7 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। रायपुर में यह जांच कटोरातालाब, लॉ विस्टा, वीआईपी रोड, रामसागरपारा और देवेन्द्रनगर में की गई।

2 दिनों से चल रही थी इनकम टैक्स की जांच

रायपुर-राजनांदगांव के फाइनेंसर और रियल इस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर छापे की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। गुरुवार-शुक्रवार को सभी आवासीय और व्यावसायिक परिसरों से मिले कैश में से 3.20 करोड़ रुपए कैश सीज कर लिया गया है। आयकर अफसरों ने कैश के संबंध में पूछताछ की और उसके बाद बुक्स के रिकार्ड में दर्ज कैश को छोड़ने के बाद शेष रह गया कैश सीज कर लिया गया है।

इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर दीपक बैज के बयान पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा का पलटवार

विजय शर्मा ने पूछा 14 हजार किसके पक्ष में जारी हुआ

रायपुर,23 मार्च 2024 (ए)। इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में आरोप - प्रत्यारोप रूकने का नाम नहीं ले रहे है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा पर निशाना साधा तो तुरंत ही उनके बयान पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पलटवार किया है। विजय शर्मा का कहना है कि इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 20 हजार करोड़ रुपए जारी किए गए। भाजपा के पक्ष में 6 हजार जारी हुए। बाकी 14 हजार

किसके पक्ष में जारी हुए। हमारे सांसद 303 हैं और उनके 240 हैं। उसके बाद भी भाजपा दोषी। जनता किसका अकाउंट बंद करेगी यह जल्द पता लग जाएगा। इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर सियासी दलों के बीच घमासान मचा हुआ है।

छत्तीसगढ़ के एक बड़े गुटखा व्यापारी के यहां जीएसटी की रेड

रायपुर,23 मार्च 2024 (ए)। दुर्ग जिले के भिलाई में स्टेट जीएसटी की टीम ने बड़े गुटखा व्यापारी ऋषिकांत मिश्रा के यहां छापेमारी की। जीएसटी के अधिकारी पहले मिश्रा के पावर हाउस शास्त्री मार्केट स्थित ऑफिस में पहुंचे। इसके बाद शारदा पारा में उसके गोडाउन में छापेमारी की।

स्टेट जीएसटी की टीम में कमिश्नर से लेकर डिप्टी कमिश्नर और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। टीम शुक्रवार शाम को सबसे पहले पावर हाउस शास्त्री मार्केट में स्थित ऋषिकांत मिश्रा के ओमिशा टेडर्स के ऑफिस में पहुंची। टीम ने यहां लगभग एक-दो घंटे तक दस्तावेज खंगाले और स्टॉक का मिलान किया। इसके बाद स्टेट जीएसटी की एक टीम वहां से निकलकर उनके बड़े गोदाम में पहुंची।

ऋषिकांत मिश्रा ने शारदा पारा में साहू लकड़ी टाल के पास तीन से चार बड़ी दुकानों को किराए में लेकर अपना गोदाम बनाया था।

यहां जीएसटी के अधिकारियों ने जब स्टॉक को देखा, तो कई ट्रक माल भरा हुआ मिला। यहां के स्टॉक रजिस्टर में काफी खामियां पाई गईं।एक जीएसटी अधिकारी ने अपना नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि ऋषिकांत मिश्रा के द्वारा काफी बड़े मात्रा में जीएसटी की चोरी की जा रही थी। उन्हें इसकी शिकायत मिली थी। पहले उन्होंने मामले को खंगाला, जब शिकायत सही पाई गई तो पूरी की पूरी टीम ने यहां छापेमारी की है। अधिकारियों ने जीएसटी चोरी का आंकड़ा तो नहीं बताया, लेकिन यहां करोड़ों की जीएसटी चोरी की बात कही जा रही है।

पाया गया जर्दायुक्त गुटखे का स्टॉक

जीएसटी अधिकारी ने बताया कि गुटखा व्यापारी के गोदाम में बिना जर्दायुक्त गुटखा का स्टॉक काफी बड़ी मात्रा में पाया गया, लेकिन वो बिना बिल के था। इससे साफ है कि यहां बड़ी जीएसटी चोरी हो रही थी। इतना ही नहीं यहां पर जर्दायुक्त सितार और अन्य ब्रांड के गुटखे का स्टॉक भी पाया गया है।

रिकॉर्ड लेकर लौटी टीम, करेगी मामले की जांच

स्टेट जीएसटी की टीम ने मेन दुकान और गोडाउन दोनों जगह मिले बिल और रिकॉर्ड से संबंधित दस्तावेज को जब्त कर लिया है। टीम ने गोदाम को सील किया है। टीम के अधिकारियों का कहना वो अभी मामले की जांच पड़ताल करेंगे। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)